



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 11] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 17-मार्च 23, 2007 (फाल्गुन 26, 1928)  
No. 11] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 17-MARCH 23, 2007 (PHALGUNA 26, 1928)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## विषय-सूची

विषय-सूची	पृष्ठ सं.	पृष्ठ सं.
भाग I--खण्ड-1--(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	503	प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं *
भाग I--खण्ड-2--(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	227	भाग II--खण्ड-3--उप-खण्ड (iii)--भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं) *
भाग I--खण्ड-3--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	3	भाग II--खण्ड-4--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश *
भाग I--खण्ड-4--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	435	भाग III--खण्ड-1--उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं 583
भाग II--खण्ड-1--अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*	भाग III--खण्ड-2--पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस 179
भाग II--खण्ड-1क--अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*	भाग III--खण्ड-3--मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं *
भाग II--खण्ड-2--विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	*	भाग III--खण्ड-4--विधिक अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं 3445
भाग II--खण्ड-3--उप-खण्ड (i)--भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	*	भाग IV--गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस 207
भाग II--खण्ड-3--उप-खण्ड (ii)--भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के		भाग V--अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूर्ण *

## CONTENTS

	Page No.		Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court . . . . .	503	PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than Administration of Union Territories) . . . . .	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court . . . . .	227	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence . . . . .	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence . . . . .	3	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India . . . . .	583
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence . . . . .	435	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs . . . . .	179
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations . . . . .	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the Authority of Chief Commissioners . . . . .	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi languages of Acts, Ordinances and Regulations . . . . .	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies . . . . .	3445
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills . . . . .	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies . . . . .	207
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules including Orders, Bye-laws, etc. of general character issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) . . . . .	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi . . . . .	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) . . . . .	*		

**भाग I—खण्ड 1**  
**[PART I—SECTION 1]**

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]  
**[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]**

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी 2007

सं. 79-प्रेज/2007--राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनकी अति असाधारण कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "परम विशिष्ट सेवा मेडल" प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं :--

1. आईसी-17239 लेफ्टिनेंट जनरल बच्छितर सिंह धालीवाल, अ. वि.से.मे., वि.से.मे., इंजीनियर्स कोर
2. आईसी-17565 लेफ्टिनेंट जनरल आदित्य सिंह, अ.वि.से.मे. \*, कवचित कोर
3. आईसी-17587 लेफ्टिनेंट जनरल बलबीर सिंह, वि.से.मे. \*, इन्फैंट्री (सेवानिवृत्त)
4. आईसी-17622 लेफ्टिनेंट जनरल दीपक कपूर, अ.वि.से.मे., से.मे., वि.से.मे., तोपखाना रेजिमेंट
5. आईसी-17631 लेफ्टिनेंट जनरल अशोक वासुदेवा, अ.वि.से.मे., वि.से.मे., तोपखाना रेजिमेंट
6. आईसी-17644 लेफ्टिनेंट जनरल दलजीत सिंह, अ.वि.से.मे., वि.से.मे., कवचित कोर
7. आईसी-17759 लेफ्टिनेंट जनरल देवेन्द्र दयाल सिंह सन्धु, सेना आयुध कोर
8. आईसी-19038 लेफ्टिनेंट जनरल कान्तामनेणी सुधाकर राव, शौर्य चक्र, से.मे., इंजीनियर्स कोर
9. आईसी-19393 लेफ्टिनेंट जनरल कुँवर दौलत सिंह शेखावत, वि.से.मे., कवचित कोर
10. आईसी-19410 लेफ्टिनेंट जनरल मोहन पांडे, वि.से.मे., इन्फैंट्री
11. आईसी-19510 लेफ्टिनेंट जनरल चन्द्र भान विजान, तोपखाना रेजिमेंट
12. आईसी-19550 लेफ्टिनेंट जनरल रणधीर कुमार मेहता, अ.वि.से.मे., यू.से.मे., वि.से.मे., इन्फैंट्री
13. आईसी-19845 लेफ्टिनेंट जनरल दिलीप नेमाजीराव देसाई, अ.वि.से.मे., वि.से.मे., कवचित कोर
14. आईसी-19853 लेफ्टिनेंट जनरल अरविन्द महाजन, अ.वि.से.मे., वि.से.मे. \*, इलेक्ट्रॉनिक एवं मैकेनिकल इंजीनियर्स कोर
15. आईसी-24465 लेफ्टिनेंट जनरल अशोक कुमार सैनी, अ.वि.से.मे., से.मे., सिग्नल्स कोर
16. आईसी-24528 लेफ्टिनेंट जनरल उत्पल भट्टाचार्य, अ.वि.से.मे., इंजीनियर्स कोर
17. आईसी-26838 लेफ्टिनेंट जनरल सत्यवीर यादव, उ.यू.से.मे., अ.वि.से.मे., इन्फैंट्री
18. एमआर-03158 लेफ्टिनेंट जनरल लक्ष्मी प्रकाश सधौत्रा, अ.वि.से.मे., पी.एच.एस., सेना चिकित्सा कोर
19. डीआर-10267 लेफ्टिनेंट जनरल परमजीत सिंह, अ.वि.से.मे., वि.से.मे. \*, सेना दन्त चिकित्सा कोर
20. वाइस एडमिरल जगजीत सिंह बेदी, उ.यू.से.मे., अ.वि.से.मे., वि.से.मे., (01002-ए)
21. सर्जन वाइस एडमिरल पुनीता अरोड़ा, से.मे., वि.से.मे., पी.एच.एस., (75894-के) (सेवानिवृत्त)
22. एयर मार्शल प्रमोद कुमार मेहरा, अ.वि.से.मे., वा.मे., (11581), फ्लाईंग (पायलट)
23. एयर मार्शल भूषण नीलकंठ गोखले, अ.वि.से.मे., वा.मे., (11630), फ्लाईंग (पायलट)
24. एयर मार्शल पदमजीत सिंह अहलुवालिया, अ.वि.से.मे. एवं बार, वा.मे., वि.से.मे., (11631), फ्लाईंग (पायलट)
25. एयर मार्शल अरविन्द कुमार नगालिया, अ.वि.से.मे., वि.से.मे., वा.मे., (11633), फ्लाईंग (पायलट)
26. एयर मार्शल कीर्ति शेखर चतुर्वेदी, वि.से.मे., (12100), वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रॉनिकी)
27. एयर मार्शल बालाटीकलन्दा उधैया चेंगप्पा, अ.वि.से.मे. वि.से.मे., (12112), वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रॉनिकी) (सेवानिवृत्त)

बरूण मित्रा

संयुक्त सचिव (सी.ए.)

सं. 80-प्रेज/2007--राष्ट्रपति आईसी-19868 लेफ्टिनेंट जनरल सरबजीत सिंह दिल्ली, अ.वि.से.मे., वि.से.मे., इन्फैंट्री/मुख्यालय 15 कोर को उनकी असाधारण कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "अति विशिष्ट सेवा मेडल बार" प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं।

बरूण मित्रा  
संयुक्त सचिव (सी.ए.)

सं. 81-प्रेज/2007--राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनकी असाधारण कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "अति विशिष्ट सेवा मेडल" प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं:--

1. आईसी-19077 लेफ्टिनेंट जनरल मिलन ललित कुमार नायडू, यू.से.मे., इन्फैंट्री/आर्मी वार कॉलेज
2. आईसी-19931 लेफ्टिनेंट जनरल पिताम्बर किशोर रामपाल, इन्फैंट्री/मुख्यालय 9 कोर
3. आईसी-23011 लेफ्टिनेंट जनरल इसाक जोहन कोशी, तोपखाना रेजिमेंट
4. आईसी-24194 लेफ्टिनेंट जनरल मनबीर सिंह डडवाल, वि.से.मे., इन्फैंट्री
5. आईसी-24255 लेफ्टिनेंट जनरल अमर नाथ औल, उ.यु.से.मे., इन्फैंट्री
6. एमआर-02753 लेफ्टिनेंट जनरल सैबल मुखर्जी, सेना चिकित्सा कोर
7. आईसी-19506 मेजर जनरल प्रदीप कुमार महाजन, तोपखाना रेजिमेंट
8. आईसी-23375 लेफ्टिनेंट जनरल कपिलेश्वर प्रसाद ढल सारमता, वि.से.मे., तोपखाना रेजिमेंट
9. आईसी-24219 मेजर जनरल अजय कुमार सिंह चन्देले, इलैक्ट्रानिक्स एवं मैकेनिकल इंजीनियर्स कोर
10. आईसी-24270 मेजर जनरल अमित कुमार, कवचित कोर
11. आईसी-24718 मेजर जनरल प्रेम कृष्ण गोयल, वि.से.मे., तोपखाना रेजिमेंट
12. आईसी-24726 लेफ्टिनेंट जनरल विनोद कुमार शर्मा, वि.से.मे., इंजीनियर्स कोर
13. आईसी-25126 मेजर जनरल राजेन्द्र सिंह सुजनाला, इन्फैंट्री
14. आईसी-25135 मेजर जनरल विष्णुकांत चतुर्वेदी, से.मे., तोपखाना रेजिमेंट
15. आईसी-25448 मेजर जनरल प्रशान्त कुमार रथ, तोपखाना रेजिमेंट
16. आईसी-25457 मेजर जनरल विजय कुमार अहलुवालिया, यु.से.मे., वि.से.मे., तोपखाना रेजिमेंट
17. आईसी-25538 मेजर जनरल रविन्द्रन कृष्णा स्वामी, वि.से.मे., इन्फैंट्री/सीआईएफ (डेलटा) मुख्यालय
18. आईसी-25757 मेजर जनरल बी. थम्बियाह, इंजीनियर्स कोर/मुख्यालय पूर्वी कमान
19. आईसी-25808 मेजर जनरल दुष्यन्त सिंह चौहान, कवचित कोर/मुख्यालय यूबी एरिया
20. आईसी-25816 मेजर जनरल बिक्रम सिंह, से.मे., वि.से.मे., इन्फैंट्री/मुख्यालय 10 इन्फैंट्री डिवीजन
21. आईसी-27026 मेजर जनरल प्रकाश मेनन, व.से.मे., इन्फैंट्री/मुख्यालय सीआईएफ (विकटर)
22. आईसी-27530 मेजर जनरल शिव कुमार शर्मा, इलैक्ट्रानिक्स एवं मैकेनिकल इंजीनियर्स कोर
23. आईसी-28867 मेजर जनरल राज कुमार सूदन, सेना वायु रक्षा रेजिमेंट
24. आईसी-29732 मेजर जनरल विजय कुमार दत्ता, से.मे. \*, वि.से.मे. \*, इन्फैंट्री/मुख्यालय 25 इन्फैंट्री डिवीजन
25. आईसी-32357 मेजर जनरल विरेन्द्र कुमार भुयानी, वि.से.मे., आसूचना कोर
26. आईसी-32460 मेजर जनरल सवंत कुमार चन्द्रशेखर दत्तात्रेय, से.मे., इन्फैंट्री
27. आईसी-32482 मेजर जनरल जसपाल सिंह, से.मे., वि.से.मे. \*, आसूचना कोर
28. आईसी-32550 मेजर जनरल राज कृष्ण मल्होत्रा, वि.से.मे., इन्फैंट्री
29. एमआर-02838 मेजर जनरल उम्मान पौल मेथू, से.मे., सेना चिकित्सा कोर/सेना हस्पताल (आर एण्ड आर)
30. डीआर-10270 मेजर जनरल सुरेन्द्र भूषण सहजपाल, वि.से.मे., सेना दत्त चिकित्सा कोर/सीएमडीसी मुख्यालय मध्य कमान
31. वी-00321 मेजर जनरल नारायण मोहान्ती, वि.से.मे., आर. वी. सी. कोर
32. एमआर-03044 ब्रिगेडियर नरेश कुमार, वि.से.मे., सेना चिकित्सा कोर
33. वाइस एडमिरल सुशील कृष्ण नायर, नौ.मे., (01369-के)
34. रियर एडमिरल दिलीप देशपांडे, वि.से.मे., (40385एच)
35. रियर एडमिरल दिलिप कुमार दिवान (01396-वाई)
36. रियर एडमिरल देवेन्द्र कुमार जोशी, यु.से.मे., नौ.मे., वि.से.मे., (01507-जेड)
37. रियर एडमिरल गणेश महादेवन, वि. से.मे., (50344-टी)

38. रियर एडमिरल रविन्द्र कुमार धवन, यु.से.मे., (01563-ए)
39. रियर एडमिरल अनिल कुमार चौपड़ा, (01627-वाई)
40. रियर एडमिरल अरुमे आन्द्रे, (78192-ए)
41. एयर मार्शल सुरेश चन्द्र मुकुल, वा.मे., वि.से.मे., (12930) फ्लाईंग (पायलट)
42. एयर वाइस मार्शल सुरेश के.कटरामन रामाभूर्ती अय्यर, (12939) फ्लाईंग (पायलट)
43. एयर वाइस मार्शल सुन्दरेसन स्वामीनाथन, वि.से.मे., (13044), वैमानिक इंजीनियरी (इलैक्ट्रॉनिकी)
44. एयर वाइस मार्शल जगदीश सिंह गंड्योक, वि.से.मे., (13216), प्रशासन
45. एयर वाइस मार्शल नवीन वर्मा, वि.से.मे., (13282), वैमानिक इंजीनियरी (इलैक्ट्रॉनिकी)
46. एयर वाइस मार्शल दिनेश चन्द्र कुमारिया, वा.मे., वि.से.मे., (13366) फ्लाईंग (पायलट)
47. एयर वाइस मार्शल मधुसुदन बैनर्जी, वा.मे., वि.से.मे., (13400) फ्लाईंग (पायलट)
48. एयर कमोडोर केशव गोपाल बेऊर, वा.मे., (13570) फ्लाईंग (पायलट)
49. एयर कमोडोर अतुल शर्मा, वा.मे., (13585) फ्लाईंग (पायलट)
50. एयर कमोडोर त्रिकंदीयुर कोल्लथ वेनुगोपाल, वा.मे., (13598) फ्लाईंग (पायलट)
51. एयर कमोडोर राजिन्द्र सिंह, वा.मे., (13980) फ्लाईंग (पायलट)
52. एयर कमोडोर प्रमोद कुमार रॉय, वा.मे., वि.से.मे., (14100) फ्लाईंग (पायलट)

वरुण मित्रा  
संयुक्त सचिव (सी.ए.)

4. एमआर-03247 ब्रिगेडियर दिपाकर गांगुली, वि.से.मे., सेना चिकित्सा कोर/सेना अस्पताल (आर एण्ड आर)

वरुण मित्रा  
संयुक्त सचिव (सी.ए.)

सं. 83-प्रेज/2007--राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनकी उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "विशिष्ट सेवा मेडल" प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं :--

1. आईसी-23791 लेफ्टिनेंट जनरल समर पल सिंह दिल्ली, तोपखाना रेजिमेंट/मुख्यालय उत्तरी कमान
2. आईसी-23266 मेजर जनरल गौतम दत्त, इंजीनियर्स कोर
3. आईसी-23289 मेजर जनरल हर मिलाप सिंह, कवचित कोर
4. आईसी-23770 मेजर जनरल नरसिंह श्रीकृष्णा सपरे, तोपखाना रेजिमेंट/मुख्यालय दक्षिण-पश्चिमी कमान
5. आईसी-24210 मेजर जनरल कैलाश चन्द्र मेहता, सिगनल्स कोर
6. आईसी-25056 मेजर जनरल इंदरजीत सिंह, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं मैकेनिकल इंजीनियर्स कोर
7. आईसी-25878 मेजर जनरल कृष्णा नरसिन्हा मिर्जा, तोपखाना रेजिमेंट
8. आईसी-27146 मेजर जनरल उमा शंकर प्रसाद सिन्हा, इंजीनियर्स कोर/मुख्यालय प्रशिक्षण कमान
9. आईसी-27548 मेजर जनरल कमल किशोर उपाध्याय, सिगनल्स कोर
10. आईसी-29783 मेजर जनरल जोगेन्द्र सिंह घुम्मान, सेना शिक्षा कोर
11. आईसी-30248 मेजर जनरल राजेन्द्र सिंह जामवाल, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं मैकेनिकल इंजीनियर्स कोर/एमसी ईएमई
12. आईसी-32014 मेजर जनरल पणिकर एम. के. वर्गिस, इंफैंट्री (सेवानिवृत्त)
13. आईसी-32041 मेजर जनरल पाकाला वेंकटेश्वरु, सेना वायु रक्षा/मुख्यालय दक्षिणी कमान
14. टीसी-31538 मेजर जनरल विमथेवर सदासिवम, सेना डाक सेवा कोर
15. एनआर-14615 मेजर जनरल शशी बाला, सेना नर्सिंग सर्विस
16. आईसी-24596 ब्रिगेडियर प्रभात कुमार सक्सेना, कुमार्ज रेजिमेंट
17. आईसी-25594 ब्रिगेडियर एम ए डबल्यूया, ब्रिगेड आफ दि गाईस/एनसीओ अकादमी

सं. 82-प्रेज/2007--राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनकी उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "विशिष्ट सेवा मेडल बार" प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं :--

1. आईसी-19898 मेजर जनरल बिरट्टंड विलीयम केल्सन, वि.से.मे., तोपखाना रेजिमेंट/तोपखाना स्कूल
2. एमआर-02670 मेजर जनरल मुनीन्द्र श्रीवास्तव, वि.से.मे., सेना चिकित्सा कोर
3. आईसी-27314 ब्रिगेडियर अनिल कुमार गुलाटी, वि.से.मे., कवचित कोर

18. आईसी-25814 ब्रिगेडियर मदन मोहन चौधरी, सिख रेजिमेंट/मुख्यालय 26 इन्फैंट्री डिवीजन
19. आईसी-25845 ब्रिगेडियर राजीव कुमार गुप्ता, इंजीनियर्स कोर
20. आईसी-25897 ब्रिगेडियर विलियम ईजैक, तोपखाना रेजिमेंट/अफसर प्रशिक्षण अकादमी
21. आईसी-27623 ब्रिगेडियर नरेन्द्र सिंह मलिक, तोपखाना रेजिमेंट/मुख्यालय 51 सब एरिया
22. आईसी-27682 ब्रिगेडियर उपेन्द्र कृष्ण धर, राजपूताना राइफल/मुख्यालय मध्यम कमान
23. आईसी-27897 ब्रिगेडियर ललित मोहन मल्होत्रा, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं मैकेनिकल इंजीनियर्स कोर
24. आईसी-27942 ब्रिगेडियर नरेन्द्र बहादुर सिंह, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं मैकेनिकल इंजीनियर्स कोर
25. आईसी-29685 ब्रिगेडियर जसवीर सिंह ढिल्लों, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं मैकेनिकल इंजीनियर्स कोर
26. आईसी-30076 ब्रिगेडियर सतीश चन्द्र नायर, राजपूत रेजिमेंट
27. आईसी-30089 ब्रिगेडियर नरेन्द्र सिंह, से.मे., मराठा लाइट इन्फैंट्री
28. आईसी-30322 ब्रिगेडियर योगिना विष्णु मोहन, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं मैकेनिकल इंजीनियर्स कोर
29. आईसी-30383 ब्रिगेडियर टिल्लू सिंह ढिल्लों, ब्रिगेड ऑ दि गार्ड्स/मुख्यालय सीआईएफ (रोमियो)
30. आईसी-30571 ब्रिगेडियर राजीव दत्त, इंजीनियर्स कोर
31. आईसी-30780 ब्रिगेडियर सत्येन्द्र दिक्षित, तोपखाना रेजिमेंट/मुख्यालय 28 तोपखाना ब्रिगेड
32. आईसी-31797 ब्रिगेडियर कल्लप्पा संगप्पा कुम्बार, मद्रास रेजिमेंट/मुख्यालय 36 सेक्टर
33. आईसी-31917 ब्रिगेडियर सुरेन्द्र मोहन मेहता, से.मे., इलैक्ट्रॉनिक्स एवं मैकेनिकल इंजीनियर्स कोर/मुख्यालय 15 कोर
34. आईसी-33034 ब्रिगेडियर शंकर प्रसाद मेनोन, तोपखाना रेजिमेंट/मुख्यालय 61 (आई) सब एरिया
35. आईसी-33076 ब्रिगेडियर प्रीतम सिंह चरक, कवचित कोर/मुख्यालय दक्षिणी कमान
36. आईसी-33235 ब्रिगेडियर दीपिन्दर सिंह, कवचित कोर/मुख्यालय 1 कोर
37. आईसी-33238 ब्रिगेडियर गोपाल सिंह तरागी, राजपूत रेजिमेंट/मुख्यालय उत्तरी कमान
38. आईसी-33241 ब्रिगेडियर भुपिन्द्र पाल सिंह हुन्दल, सेना आयुध कोर/मुख्यालय 15 कोर
39. आईसी-33474 ब्रिगेडियर ओम प्रकाश सिंह पठानिया, मद्रास रेजिमेंट/मुख्यालय दक्षिण-पश्चिम कमान
40. आईसी-33520 ब्रिगेडियर किशन सिंह, 9 गोरखा राइफल/मुख्यालय 12 कोर
41. आईसी-34437 ब्रिगेडियर (डॉक्टर) शिव दर्शन दत्ता, जज एडजुटेंट जनरल विभाग/मुख्यालय मध्यम कमान
42. आईसी-34670 ब्रिगेडियर बलविन्द सिंह, इंजीनियर्स कोर/मुख्यालय 16 कोर
43. आईसी-34755 ब्रिगेडियर चक्काण विजय कुमार केरू, आसूचना कोर
44. आईसी-35376 ब्रिगेडियर गौतम देव, आसूचना कोर/मुख्यालय पूर्वी कमान
45. एमआर-02986 ब्रिगेडियर कर्ण वीर सिंह राणा, सेना चिकित्सा कोर/मुख्यालय 15 कोर
46. एमआर-03440 ब्रिगेडियर अवतार सिंह बाथ, से.मे., सेना चिकित्सा कोर/कमान अस्पताल मुख्यालय उत्तरी कमान
47. आईसी-35137 कर्नल पटयारिमल मुहम्मद अली हारिज, मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री
48. आईसी-35226 कर्नल कोचरलकोट गोपाला कृष्णा, ग्रिनेडियर्स
49. आईसी-35472 कर्नल माधावा नन्द बुधानी, से.मे., जम्मू-कश्मीर राइफल
50. आईसी-35480 कर्नल सुरिन्द्र सिंह, जम्मू कश्मीर राइफल
51. आईसी-35521 कर्नल संजय सरन, यु.से.मे., तोपखाना रेजिमेंट
52. आईसी-37594 कर्नल हरपाल सिंह, तोपखाना रेजिमेंट
53. आईसी-38183 कर्नल गुमुख सिंह, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं मैकेनिकल इंजीनियर्स कोर
54. आईसी-38403 कर्नल शौकीन चौहान, 11 गोरखा राइफल
55. आईसी-38645 कर्नल अजय साह, से.मे., गढ़वाल राइफल
56. आईसी-38656 कर्नल स्टीफन जुडे ग्रेसियस, इंजीनियर्स कोर
57. आईसी-38753 कर्नल जसविन्द सिंह सन्धु, 5 गोरखा राइफल (फ्रन्टियर फोर्स)/मुख्यालय उत्तरी कमान
58. आईसी-39084 कर्नल लव विक्रम चन्द, सिगनल्स कोर
59. आईसी-39522 कर्नल जयवीर सिंह नेगी, डोगरा रेजिमेंट
60. आईसी-39656 कर्नल दिनेश शर्मा, गोरखा राइफल
61. आईसी-40064 कर्नल विश्वास चंद्रकांत चित्रे, तोपखाना रेजिमेंट/मुख्यालय उत्तरी कमान
62. आईसी-40312 कर्नल अलि अदिल महमूद, कवचित कोर/राष्ट्रपति अंगरक्षक

63. आईसी-41573 कर्नल प्रवीर सेनगुप्ता, 6 असम रेजिमेंट
64. आईसी-41580 कर्नल प्रभजोत सिंह माँगट, 103 इंजीनियर्स रेजिमेंट
65. आईसी-42421 कर्नल जोस पीटर, आसूचना कोर/567 ईट एवं एफएस यूनिट
66. आईसी-43294 कर्नल अरूण कुमार पाण्डेय, जाट रेजिमेंट/ 5 राष्ट्रीय राइफल
67. आईसी-43388 कर्नल महेश कुमार सिंह, महार रेजिमेंट/ 51 राष्ट्रीय राइफल
68. एमआर-03690 कर्नल रविन्द्रा कटोच, सेना चिकित्सा कोर/कमान अस्पताल, मुख्यालय उत्तरी कमान
69. एमआर-04126 कर्नल कुलदीप राज सलगोत्रा, सेना चिकित्सा कोर/166 सैन्य अस्पताल
70. आईआरएलए-186340237 कमांडेंट जतींदर सिंह ओबेराय, अर्द्ध-सैनिक बल/153 बटालियन सीमा सुरक्षा बल
71. एमआर-05441 लेफ्टिनेंट कर्नल जितेन्द्र कुमार सिंह परिहार, से.मे., सेना चिकित्सा कोर/कमान अस्पताल मुख्यालय पूर्वी कमान
72. एमआर-05774 लेफ्टिनेंट कर्नल बिनोद कुमार शर्मा, सेना चिकित्सा कोर/92 बेस अस्पताल
73. जेसी-306815 सूबेदार अनिल कुमार पी. इंजीनियर्स कोर/मद्रास इंजीनियर ग्रुप एवं केन्द्र
74. कमोडोर भास्कर रंजन सेन (01420-ए)
75. कमोडोर वासुदेवन बालाकृष्णन अय्यर (50536-बी)
76. कमोडोर इब्रहाम तच्चेट लूकोस (01634-एन)
77. कमोडोर रणवीर सिंह, नौ. मे. (01708-एफ)
78. कमोडोर फिलिप एडमंड वानहालट्टन (01698-एच)
79. कमोडोर कुरुमंघत रामचन्द्रन नायर (50575-टी)
80. कमोडोर दिलीप पी. कुलकर्णी (01825-वाई)
81. कमोडोर समीर सरन लाल (40743-वाई)
82. कमोडोर राजेश कुमार वाझलवार (40758-एफ)
83. सर्जन कमोडोर भागीरथ सिंह राठौर (75849-एच)
84. कमोडोर रघुवीर एम पुरन्दरे (02072-एच)
85. कैप्टन केदमभाड़ी स्तीस अय्याप्पा (020304-वाई)
86. कैप्टन दिनेश मुकुन्द देशपांडे (40844-ए)
87. कैप्टन वेणुगोपाल भारद्वाज (40904-एन)
88. कैप्टन स्कन्द कुमार पुजारी (50769-एच)
89. सर्जन कैप्टन जॉन डिसुजा (75237-टी)
90. कैप्टन प्रद्युत कुमार बनर्जी (02649-डब्ल्यू)
91. कैप्टन ए वेणुगोपाल (02822-एन)
92. कमांडर कुमावत यशबन्त (03054-आर)
93. स्वप्न कुमार रॉय, एमसीपीओएओएफ-I (203524-एफ)
94. एयर कमोडोर केविन फर्नांडेज (12660) चिकित्सा
95. एयर कमोडोर करुणकरन नायर वेलायुधन नायर (13082) प्रशासन
96. एयर कमोडोर पंकज मेहरोत्रा (13316) वैमानिक इंजीनियरी (यांत्रिकी)
97. एयर कमोडोर प्रशीद बसु (13828) वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रॉनिकी)
98. एयर कमोडोर रमेश गोयल (14567), फ्लाईंग (पायलट)
99. ग्रुप कैप्टन असित कुमार अधिकारी (13889), प्रशासन/एयर ट्रेफिक कंट्रोलर
100. ग्रुप कैप्टन प्रमोद शंकरराव शिंदे (14784), वैमानिकी इंजीनियरी (यांत्रिकी)
101. ग्रुप कैप्टन जगजीत सिंह (14814) वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रॉनिकी)
102. ग्रुप कैप्टन गुरुदेव लिंगय्या हिरमठ (14947) प्रशासन
103. ग्रुप कैप्टन अनुप कुमार पटनायक (15295) वैमानिक इंजीनियरी (इलेक्ट्रॉनिकी)
104. ग्रुप कैप्टन युगल किशोर नेगी (15351), परिभारिकी
105. ग्रुप कैप्टन दिवाकर पॉल उपोट (15544), फ्लाईंग (पायलट)
106. ग्रुप कैप्टन प्रवीर चक्रवर्ती (15632), वैमानिकी इंजीनियरी (इलेक्ट्रॉनिकी)
107. ग्रुप कैप्टन रवीन्द्र शर्मा (15646), वैमानिक इंजीनियरी (यांत्रिकी)
108. ग्रुप कैप्टन शिरिश बबन देव, वा.मे., (15681), फ्लाईंग (पायलट)
109. ग्रुप कैप्टन सुधांशु राय (15726), फ्लाईंग (पायलट)
110. ग्रुप कैप्टन चन्दालिंगप्पा सन्नाचंदप्पा हवलदार (16256), प्रशासन/एयर ट्रेफिक कंट्रोलर
111. ग्रुप कैप्टन अर्चन कुमार भट्टाचार्या (16322), वैमानिक इंजीनियरी (यांत्रिकी)
112. ग्रुप कैप्टन गदेलारविन्दनाथ (16985), फ्लाईंग (पायलट)
113. ग्रुप कैप्टन दिप्तेन्दु चौधरी (17335), फ्लाईंग (पायलट)

114. ग्रुप कैप्टन देवी प्रसाद पाणी (16428), प्रशासन (फाइटर कंट्रोलर)
115. ग्रुप कैप्टन अशोक कुमार शर्मा (16460), लेखा
116. ग्रुप कैप्टन अनूप कुमार वाष्णीय (17077), शिक्षा/पैरा जम्प प्रशिक्षक
117. विंग कमाण्डर रवि शर्मा (17785), परिभारिकी
118. विंग कमाण्डर पंकज मोहन सिन्हा (17842), फ्लाईंग (पायलट)
119. विंग कमाण्डर सुब्रह्मनियन सुन्दर राजन (17848), फ्लाईंग (पायलट)
120. 293603 मास्टर वारंट अफसर राजेन्द्र, फ्लाइट गनर
121. 616153 मास्टर वारंट अफसर रघुबीर सिंह पाल, यांत्रिकी परिवहन चाकल/पैरा जम्प प्रशिक्षक
122. जीओ-01254के, डिप्टी चीफ मेडिकल अफसर, (सिलेक्शन ग्रेड) ओनिल कुमार पांडा
123. जीओ-2457ए वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भारत भूषण शर्मा

बरूण मित्रा  
संयुक्त सचिव (सी.ए.)

सं. 84-प्रेज/2007--राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनके असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "सेना मेडल/आर्मी मेडल-बार" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :--

1. आईसी-53272 मेजर जगन्नाथ निसंको, से.मे., इंजीनियर्स कोर/10 राष्ट्रीय राइफल
2. आईसी-57132 मेजर पियुश व्यास, से.मे., 4 गोरखा राइफल/15 राष्ट्रीय राइफल
3. एसएस-38657 मेजर उदय गणपतराव जरांडे, से.मे., तोपखाना रेजिमेंट, 4 असम राइफल
4. जेसी-449468 सूबेदार संत कुमार, से.मे., ग्रेनेडियर्स/39 राष्ट्रीय राइफल

बरूण मित्रा  
संयुक्त सचिव (सी.ए.)

सं. 85-प्रेज/2007--राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनके असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "सेना मेडल/आर्मी मेडल" प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं :--

1. आईसी-49062 कर्नल सरोज कुमार सिंह, 20 जम्मू-कश्मीर राइफल

2. आईसी-46313 लेफ्टिनेंट कर्नल शैलेन्द्र सोलंकी, 14 ग्रेनेडियर्स
3. आईसी-48258 लेफ्टिनेंट कर्नल विनोद बालकृष्ण श्रीखंडे, मराठा लाइट इन्फैंट्री/56 राष्ट्रीय राइफल
4. आईसी-56242 मेजर एबन्जोप सूटिंग, कुमाऊ रेजिमेंट/13 राष्ट्रीय राइफल
5. आईसी-56701 मेजर यादविंदर सिंह परमार, पंजाब रेजिमेंट/22 राष्ट्रीय राइफल
6. आईसी-56972 मेजर अनिल कुमार जोशी, डोगरा रेजिमेंट/11 राष्ट्रीय राइफल
7. आईसी-57180 मेजर पी. श्याम सुन्दर, मद्रास रेजिमेंट/38 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)
8. आईसी-58191 मेजर विक्रम दहिया, इलैक्ट्रॉनिक एंड मेकेनिकल इंजीनियर्स कोर/13 राष्ट्रीय राइफल
9. आईसी-58238 मेजर मनीष कार्की, राजपूत रेजिमेंट/10 राष्ट्रीय राइफल
10. आईसी-59117 मेजर सुमन मजुमदार, 3 पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
11. आईसी-59711 मेजर विकेश कुमार, तोपखाना रेजिमेंट/9 पैराशूट फील्ड रेजिमेंट
12. आईसी-59713 मेजर विपुल हर्ष, तोपखाना रेजिमेंट/34 असम राइफल
13. आईसी-59853 मेजर कृष्णा सिद्धू बेलकुड, 16 ग्रेनेडियर्स
14. आईसी-60141 मेजर मुकुन्द एमजी, सिख रेजिमेंट/14 असम राइफल
15. आईसी-60666 मेजर कमलदीप सिंह सलारिया, मराठा लाइट इन्फैंट्री/56 राष्ट्रीय राइफल
16. आईसी-62274 मेजर जावेद अली खान, 22 मराठा लाइट इन्फैंट्री
17. आईसी-62476 मेजर तुषार गर्ग, सिगनल्स कोर/42 राष्ट्रीय राइफल
18. आईसी-62477 मेजर शिव शंकर सिंह हजारी, इंजीनियर्स कोर/14 असम राइफल
19. आईसी-64823 मेजर जगदीप सिंह कपूर, मैकनाइज्ड इन्फैंट्री/9 राष्ट्रीय राइफल
20. आईसी-64933 मेजर गीरीश पारथन, ब्रिगेड ऑफ दि गार्ड्स/32 असम राइफल
21. आईसी-65048 मेजर नरेन्द्र प्रसाद, पंजाब रेजिमेंट/3 (एनएच) बटालियन असम राइफल
22. आईसी-39887 मेजर गौरव बाली, तोपखाना रेजिमेंट/56 राष्ट्रीय राइफल

23. आईसी-62957 कैप्टन राज सिंह दुहान, इलेक्ट्रॉनिक एंड मेकेनिकल इंजीनियर्स कोर/22 राष्ट्रीय राइफल
24. आईसी-63104 कैप्टन बिमलेश कुमार, 1 नागा रेजिमेंट
25. आईसी-65180 कैप्टन प्रीत सिंह, इंजीनियर्स कोर/7 राष्ट्रीय राइफल
26. एसएस-40467 कैप्टन मोहितेश्वर ठाकुर, 23 राजपूत रेजिमेंट
27. आईसी-64539 लेफ्टिनेंट विशाल चोपड़ा, 21 पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
28. एआर-00217 सहायक कमांडेंट चत्तर सिंह, 45 असम राइफल
29. जेसी-479218 सूबेदार ब्रज मोहन सिंह, 26 राजपूत रेजिमेंट (मरणोपरांत)
30. जेसी-634312 सूबेदार मन बहादुर गुहंग, 1/11 गोरखा राइफल
31. जेसी-429550 नायब सूबेदार मनजीत सिंह, पंजाब रेजिमेंट/7 राष्ट्रीय राइफल
32. जेसी-529583 नायब सूबेदार खुशाल सिंह, गढ़वाल राइफल/14 राष्ट्रीय राइफल
33. 1481848 हवलदार दरबार सिंह, इंजीनियर्स कोर/62 राष्ट्रीय राइफल
34. 4184805 हवलदार हरीश चन्द्र सिंह, 19 कुमाऊं रेजिमेंट
35. 9923783 हवलदार सेरींग अंगचुक, 9 पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
36. जी/143696 हवलदार राम बहादुर क्षेत्री, 14 असम राइफल
37. 13618060 हवलदार दया किशन जोशी, 3 पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
38. 14382419 हवलदार गुरमीत सिंह, सेना वायु रक्षा/38 राष्ट्रीय राइफल
39. 121804बी लीडिंग सीमैन रविन्द्र कुमार साहू, भारतीय नौसेना/15 राष्ट्रीय राइफल
40. 2600508 नायक संजय पूजेरी, मद्रास रेजिमेंट/38 राष्ट्रीय राइफल
41. 2689306 नायक राजेन्द्र सिंह, 14 ग्रेनेडियर्स (मरणोपरांत)
42. 2888932 नायक राजेन्द्र कुमार, राजपूताना राइफल/9 राष्ट्रीय राइफल
43. 2994883 नायक सीता राम रघुवन्शी, 26 राजपूत रेजिमेंट (मरणोपरांत)
44. 3396662 नायक रघुपाल सिंह, 16 सिख रेजिमेंट
45. 3991799 नायक राजेश कुमार, डोगरा रेजिमेंट/62 राष्ट्रीय राइफल
46. 3993380 नायक पूर्ण सिंह, डोगरा रेजिमेंट/62 राष्ट्रीय राइफल
47. 4075794 नायक मान सिंह गुसाई, गढ़वाल राइफल/14 राष्ट्रीय राइफल
48. 14703240 नायक गोविन्द सिंह, 1 नागा रेजिमेंट
49. 15124362 नायक भिपिन कुमार सिंह, तोपखाना रेजिमेंट/62 राष्ट्रीय राइफल
50. 3197872 सिपाही अमित कुमार, जाट रेजिमेंट/34 राष्ट्रीय राइफल
51. 3404855 सिपाही गुरजंट सिंह, 16 सिख रेजिमेंट
52. 3999450 सिपाही संदया कुमार, डोगरा रेजिमेंट/62 राष्ट्रीय राइफल
53. 3999605 सिपाही बाली राम, 17 डोगरा रेजिमेंट
54. 4002533 सिपाही सुनील कुमार, डोगरा रेजिमेंट/62 राष्ट्रीय राइफल
55. 4279772 सिपाही प्रेम कुमार रोशन, बिहार रेजिमेंट/24 राष्ट्रीय राइफल
56. 4280038 सिपाही दिलिप बेसरा, बिहार रेजिमेंट/24 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)
57. 4368234 सिपाही बिनय कुमार राय, असम रेजिमेंट/42 राष्ट्रीय राइफल
58. 4572338 सिपाही दुर्गेश कुमार, महार रेजिमेंट/30 राष्ट्रीय राइफल
59. 10525632 सिपाही अब्दुल क्युम, 153 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) डोगरा
60. 12944559 सिपाही तिलक राज, 159 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) डोगरा
61. 2896406 राइफलमैन मुकेश कुमार, राजपूताना राइफल/57 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)
62. 2896507 राइफलमैन रविन्दर कुमार, राजपूताना राइफल/9 राष्ट्रीय राइफल
63. 2897779 राइफलमैन संतयवीर सिंह, राजपूताना राइफल/9 राष्ट्रीय राइफल
64. 4082598 राइफलमैन मनोज सिंह रावत, 18 गढ़वाल राइफल (मरणोपरांत)
65. 9103417 राइफलमैन परवेज़ अहमद कुमार, जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री/62 राष्ट्रीय राइफल
66. 12954140 राइफलमैन बशीर अहमद खान, 160 इन्फैंट्री बटालियन (टीए) जम्मू-कश्मीर राइफल (मरणोपरांत)
67. 15616599 राइफलमैन राकेश कुमार गुप्ता, ब्रिगेड ऑफ दि गाइड्स/61 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)

68. 16012580 राइफलमैन लियाकत अली, राजपूताना राइफल/9 राष्ट्रीय राइफल
69. 16015546 राइफलमैन संजय कुमार, राजपूताना राइफल/9 राष्ट्रीय राइफल
70. जी/5000581 राइफलमैन रूदेवोयी स्वुरो, 14 असम राइफल (मरणोपरांत)
71. 15336433 सैपर हरपाल सिंह, इंजीनियर्स कोर/57 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)
72. 13621674 पैराट्रूपर पुरन सिंह, 3 पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
73. 13622654 पैराट्रूपर राकेश चन्द्र, 3 पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)

बरूण मित्रा  
संयुक्त सचिव (सी.ए.)

संख्या 86-प्रेज/2007-राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनके असाधारण कर्तव्यपरायणतापूर्ण कार्यों के लिए "सेना मेडल/आर्मी मेडल-बार" प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं :-

1. आईसी-43682 कर्नल अनिल कुमार सामनतरा, से.मे., मद्रास रेजिमेंट/4 असम राइफल
2. आईसी-43842 मेजर कर्नल माणिक कुमार दास, से.मे., 11 जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री

बरूण मित्रा  
संयुक्त सचिव (सी.ए.)

संख्या 87-प्रेज/2007-राष्ट्रपति निम्नलिखित कार्मिकों को उनके असाधारण कर्तव्यपरायणतापूर्ण कार्यों के लिए "सेना मेडल/आर्मी मेडल" प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं:-

1. आईसी-25466 मेजर जनरल गोविन्द द्विवेदी, विसेमे\*, इन्फैंट्री/मुख्यालय 57 पर्वतीय डिवीजन
2. आईसी-25825 मेजर जनरल चेतंदर सिंह, विसेमे, कश्चित कोर
3. आईसी-27971 मेजर जनरल संजीव लुम्बा, कश्चित कोर
4. आईसी-27236 ब्रिगेडियर सुरिन्दर सिंह टोंक, विसेमे, ग्रेनेडियर्स/मुख्यालय 31 सब एरिया
5. आईसी-30997 ब्रिगेडियर अश्विनी कुमार बक्श, विसेमे, बिहार रेजिमेंट/मुख्यालय 93 इन्फैंट्री ब्रिगेड
6. आईसी-31118 ब्रिगेडियर बलविन्दर सिंह सचार, विसेमे, पंजाब रेजिमेंट/मुख्यालय 9 सेक्टर राष्ट्रीय राइफल

7. आईसी-31638 ब्रिगेडियर ओम प्रकाश, कुमार रेजिमेंट/मुख्यालय 102 इन्फैंट्री ब्रिगेड
8. आईसी-31640 ब्रिगेडियर रमेश कुमार राना, राजपूताना राइफल/मुख्यालय 192 पर्वतीय डिवीजन
9. आईसी-31658 ब्रिगेडियर उथीरामधन मनि राजवेलूय, राजपूताना राइफल, मुख्यालय 109 इन्फैंट्री ब्रिगेड
10. आईसी-31680 ब्रिगेडियर महाबीर सिंह पटियाल, पंजाब रेजिमेंट/मुख्यालय 163 इन्फैंट्री ब्रिगेड
11. आईसी-31712 ब्रिगेडियर पेरूमबिलाविल शंकरन रविन्द्रनाथ, 1 गोरखा राइफल/मुख्यालय 10 सेक्टर असम राइफल
12. आईसी-31736 ब्रिगेडियर राजीव भट्टला, जाट रेजिमेंट/मुख्यालय 121 (आई) इन्फैंट्री ब्रिगेड ग्रुप
13. आईसी-34001 ब्रिगेडियर रूमेल दहिया, कुमार रेजिमेंट/मुख्यालय 100 पर्वतीय ब्रिगेड
14. आईसी-34098 ब्रिगेडियर हरमेन्दरजीत सिंह सचदेव, 1 गोरखा राइफल, मुख्यालय 2 सेक्टर राष्ट्रीय राइफल
15. आईसी-34687 ब्रिगेडियर सूर्य सुब्बावधुलु दसाका, इंजीनियर्स कोर/मुख्यालय सीई(पी) बिष्कन
16. आईसी-35040 ब्रिगेडियर राकेश मोहन मित्तल, इंजीनियर्स कोर/मुख्यालय अंडमान एंड निकोबार जोन
17. आईसी-36200 ब्रिगेडियर बलबीर सिंह पामा, 3 गोरखा राइफल/मुख्यालय 161 इन्फैंट्री ब्रिगेड
18. आईसी-36269 ब्रिगेडियर अनिल सिंह नन्दल, 5 गोरखा राइफल (फ्रंटियर फोर्स)/मुख्यालय 1 सेक्टर राष्ट्रीय राइफल
19. आईसी-36276 ब्रिगेडियर सुरेन्दर सिंह राना, तोपखाना रेजिमेंट/मुख्यालय 57 पर्वतीय तोपखाना ब्रिगेड
20. आईसी-36413 ब्रिगेडियर इस्माइल अरूमी राज, ग्रेनेडियर्स/मुख्यालय 11 सेक्टर राष्ट्रीय राइफल
21. आईसी-37877 कर्नल दिनेश शर्मा, राजपूत रेजिमेंट/10 राष्ट्रीय राइफल
22. आईसी-41911 कर्नल राजिन्द्र पाल सिंह, 8 जम्मू-कश्मीर राइफल
23. आईसी-42046 कर्नल शिविन्द्र सिंह, ग्रेनेडियर्स/39 राष्ट्रीय राइफल
24. आईसी-42336 कर्नल अजय कुमार सिंह, 1/11 गोरखा राइफल
25. आईसी-42780 कर्नल अतुल कुमार सिंह, ग्रेनेडियर्स/12 राष्ट्रीय राइफल
26. आईसी-42971 कर्नल राजिन्दर सिंह, राजपूत रेजिमेंट/44 राष्ट्रीय राइफल
27. आईसी-43331 कर्नल सुभाष चन्द्र पंवार, 4 सिख रेजिमेंट

28. आईसी-43547 कर्नल राजीव कुमार सिंह, कुमार रेजिमेंट/26 राष्ट्रीय राइफल
29. आईसी-44261 कर्नल ब्रिज गोपाल, डोगरा रेजिमेंट/62 राष्ट्रीय राइफल
30. आईसी-45193 कर्नल अतुल कौशिक, 4 गोरखा राइफल/15 राष्ट्रीय राइफल
31. आईसी-45677 कर्नल सुनील कुमार, 1 नागा रेजिमेंट
32. आईसी-47208 कर्नल रंजन महाजन, राजपूताना राइफल/9 राष्ट्रीय राइफल
33. आईसी-47253 कर्नल गजेन्द्र जोशी, गढ़वाल राइफल/36 राष्ट्रीय राइफल
34. आईसी-47351 कर्नल राजेश त्यागी, 4 जाट रेजिमेंट
35. आईसी-51412 लेफ्टिनेंट कर्नल भामरे जयन्त नरवीर, इंजीनियर्स कोर/53 सड़क निर्माण कंपनी
36. एमआर-05644 लेफ्टिनेंट कर्नल सुरजीत बासु, सेना चिकित्सा कोर/कमान अस्पताल (उत्तरी कमान)
37. एनआर-19890 मेजर सरोजा कुमारी, सेना चिकित्सा कोर/इन्फैंट्री स्कूल
38. जेसी-602444 सूबेदार पेम्बा तमंग, 1 गोरखा राइफल/इन्फैंट्री स्कूल
39. जेसी-374572 नायब सूबेदार नागेन्द्रा नारायण चौधरी, सिगनल्स कोर/11 इन्फोर्मेशन वारफेयर बटालियन (मरणोपरांत)
40. जेसी-एनवाईए-4003754 नायब सूबेदार विजय कुमार, डोगरा रेजिमेंट/इन्फैंट्री स्कूल
41. 9924827 राइफलमैन सोनम दोरजे, 5 लद्दाख स्काउट

बरूण मित्रा  
संयुक्त सचिव (सी.ए.)

सं. 88-प्रेज/2007-राष्ट्रपति कैप्टन रमा कान्त पट्टनायक (01860-ए) को युद्ध के दौरान उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए "युद्ध सेवा मेडल" प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं।

बरूण मित्रा  
संयुक्त सचिव (सी.ए.)

सं. 89-प्रेज/2007-राष्ट्रपति निम्नलिखित कर्मिकों को उनकी असाधारण कर्तव्यपरायणता के लिए "नौसेना मेडल/नेवी मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं:--

1. कमोडोर सीभावी पटेल रमेश रेड्डी, वि.से.मे., (01358-के)
2. कमोडोर शंकरन माम्पल्ली, वि.से.मे., (01748-वाई)

3. कमोडोर कोल्लेनगोडे सिवरामकृष्णन् सुब्रमन्यन्, (40674-आर)
4. सर्जन कमोडोर यश पाल मोंगा (75204-टी)
5. कैप्टन सुरेश बालकृष्णन (50705-एन)
6. कैप्ट जयपाल सिंह बेनीवाल (02262-आर)
7. कैप्टन सतीशकुमार एन घोरमाडे (02671-डब्ल्यू)
8. कैप्टन (टीएस) लाईश्रम बिमोलचान्द सिंह (01726-वाई)
9. कमांडर पुरुवीर दास (03463-डब्ल्यू)
10. कमांडर अभिजीत वी. जोशी (03544-बी)
11. लेफ्टिनेंट कमांडर मोहित गोयल (41749-एच)
12. राम कुमार झगड़ोलिया, एम सी मैक (आर)। (202047-जेड)

बरूण मित्रा  
संयुक्त सचिव (सी.ए.)

सं. 90-प्रेज/2007-राष्ट्रपति, 688505 सार्जेंट शिवाशरणप्पा हत्तमनत पाटील, इलेक्ट्रिकल फिटर को उनके असाधारण साहसिक कार्यों के लिए "वायुसेना मेडल/एयर फोर्स मेडल" प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं।

बरूण मित्रा  
संयुक्त सचिव (सी.ए.)

सं. 91-प्रेज/2007-राष्ट्रपति निम्नलिखित कर्मिकों को उनकी असाधारण कर्तव्यपरायणता के लिए "वायुसेना मेडल/एयर फोर्स मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं:--

1. एयर कमोडोर गुरदर्शन सिंह जुनेजा (13958), चिकित्सा
2. ग्रुप कैप्टन कुलकर्णी राधावेन्द्रा (17161), फ्लाईंग (पायलट)
3. विंग कमांडर सुनील कुमार भाटिया (17360), फ्लाईंग (पायलट)
4. विंग कमांडर एसलिन पॉल डिकुटे (17863), फ्लाईंग (पायलट)
5. विंग कमांडर शिव रतन सिंह (18083), फ्लाईंग (पायलट)
6. विंग कमांडर अजय राठौर (18258), फ्लाईंग (पायलट)
7. विंग कमांडर संजीव राज (18276), फ्लाईंग (पायलट)
8. विंग कमांडर बालाकृष्णन बालाचन्द्रन (18561), फ्लाईंग (पायलट)
9. विंग कमांडर कोथापल्ली वेंकट रामा राजू (18573), फ्लाईंग (पायलट)
10. विंग कमांडर आशुतोष लाल (18785), फ्लाईंग (पायलट)
11. विंग कमांडर तेजिन्दर सिंह (18806), फ्लाईंग (पायलट)

12. विंग कमांडर विश्वजित वासुदेव देड़गांवकर (18813), फ्लाईंग (पायलट)
13. विंग कमांडर प्रवीन केशव वोहरा (19162), फ्लाईंग (पायलट)
14. विंग कमांडर हरप्रीत सिंह बसरा (19174), फ्लाईंग (पायलट)
15. विंग कमांडर जसबीर सिंह (22702), फ्लाईंग (पायलट)

बरूण मित्रा  
संयुक्त सचिव (सी.ए.)

सं. 92-प्रेज/2007-राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को उनकी असाधारण वीरता के लिए "कीर्ति चक्र" प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं:--

1. श्री धीरेन्द्र नाथ प्रताप सिंह  
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 09 फरवरी, 2006)

09 फरवरी, 2006 को दांतेवाड़ा, छत्तीसगढ़ के बलाडिला के लौह अयस्क क्षेत्र में राष्ट्रीय खनिज विकास सहकारी लिमिटेड की एक यूनिट में श्री धीरेन्द्र नाथ प्रताप सिंह, सब इंस्पेक्टर, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, 8 कार्मिकों के साथ जब ड्यूटी पर तैनात थे जो विस्फोटक भण्डार समेत क्षेत्र की चौकसी कर रहे थे, तो 500 नकस्त्रियों के एक गुट ने नारेबाजी करते हुए तथा फायर शस्त्रास्त्रों की मांग करते हुए बैरक पर हमला बोल दिया।

स्थिति का जायजा लेते हुए श्री सिंह ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। नकस्त्रियों ने प्रतिक्रिया में ग्रेनेडों तथा पेट्रोल बमों से हमला करके कई कार्मिकों को गम्भीर रूप से घायल कर दिया। श्री सिंह ने हिम्मत नहीं हारी तथा लगातार जवाबी गोलीबारी जारी रखी। इसी बीच, नकस्त्री बैरक की एस्वेस्टस की छत को बारूदी सुरंग का इस्तेमाल करके उड़ाने में कामयाब हो गए। बैरक की छत ढह जाने के बावजूद श्री सिंह ने नकस्त्रियों से भिड़ंत जारी रखी तथा उनके भवन पर कब्जा करने के प्रयासों का डटकर मुकाबला किया। तथापि, नकस्त्रियों ने बैरक को उड़ा दिया तथा भवन पर कब्जा कर लिया। उन्होंने श्री सिंह को समर्पण करने के लिए कहा परंतु उन्होंने हथियार डालने से मना कर दिया तथा लड़ाई जारी रखी। तब उन्हें बिल्कुल नजदीक से बाईं आंख में गोली मार दी।

श्री सिंह ने प्रतिकूल परिस्थितियों में अनुकरणीय साहस तथा कर्तव्य परायणता का प्रदर्शन किया तथा सेना की उच्चतम परम्परा के अनुरूप सर्वोच्च बलिदान दिया।

2. 3392793 हवलदार मनजीत सिंह  
16 सिख रेजिमेंट

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 29 जून, 2006)

29 जून, 2006 को, हवलदार मनजीत सिंह उत्तरी सेक्टर के ग्रीड पॉइंट पर एक घात दल की कमान कर रहे थे जिसमें चार अन्य रैंक शामिल थे। लगभग 1915 बजे, नियंत्रण रेखा के पास आतंकवादियों की

हरकत देखी गई। घुसपैठ के संभावित मार्ग को कवर करने के लिए घात को पुनःव्यवस्थित किया गया। मौसम खराब था तथा कम दिखाई दे रहा था। मध्य रात्रि में हवलदार मनजीत सिंह ने घुसपैठ रोधी बाधा प्रणाली के निकट कुछ आतंकवादियों की हरकत देखी। उन्होंने पेंसिव रात्रि दर्शी यंत्र की सहायता से इस हरकत की पुष्टि की तथा अपने घात दल को सावधान किया।

हवलदार मनजीत सिंह ने घात दल से कड़ा संयम बरतने के लिए कहा तथा घुसपैठ कर रहे आतंकवादियों के निकट आने तक धैर्यपूर्वक इंतजार किया। जब घुसपैठ कर रहे आतंकवादी मारक परिधि में आ गए तब हवलदार मनजीत सिंह ने गोलीबारी शुरू कर दी। आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी के साथ जवाबी कार्रवाई की तथा भागने का प्रयास किया। हवलदार मनजीत सिंह ने आतंकवादियों को जाल में उलझाने के लिए एक तात्कालिक बाधा डाली और पांच आतंकवादियों को मार गिराया।

हवलदार मनजीत सिंह ने घुसपैठ कर रहे आतंकवादियों का मुकाबला करते हुए अनुकरणीय साहस, वैयक्तिक बहादुरी, रणनीतिक कुशाग्रता तथा प्रेरक नेतृत्व का प्रदर्शन किया।

3. आईसी-61562 कैप्टन विशाल भंडराल  
गढ़वाल राइफल/14 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 26 सितम्बर, 2006)

जम्मू-कश्मीर के एक क्षेत्र में आतंकवादियों के होने की सूचना मिलने पर 26 सितम्बर, 2006 को कैप्टन विशाल भंडराल के नेतृत्व में एक तलाशी ऑपरेशन शुरू किया गया। तलाशी के दौरान, लगभग 1200 बजे दो आतंकवादी तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए घर से बाहर निकले। अपनी सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह न करके तथा धैर्य से और त्वरित प्रतिक्रिया का प्रदर्शन करते हुए वे उनके निकट पहुंचे और गोलीबारी शुरू कर दी तथा निकटता से एक आतंकवादी को गोली से उड़ा दिया। दूसरा आतंकवादी पेड़ों के झुण्ड के बीच कूद गया तथा उसने जवाबी गोलीबारी शुरू कर दी। आतंकवादियों के बच निकलने की संभावना को देखकर कैप्टन विशाल भंडराल, अद्वितीय अडिग साहस का प्रदर्शन करते हुए छिप रहे आतंकवादियों की ओर टूट पड़े और उन्होंने एक हथगोला फेंका। निकट आने के प्रयास में, वे आतंकवादियों की गोलीबारी से गम्भीर रूप से घायल हो गए। अपने घाव की परवाह किए बिना वे कूद कर आगे बढ़े तथा सर्वोच्च बलिदान से पहले उन्होंने एक आतंकवादी को मौके पर ही मार गिराया।

कैप्टन विशाल भंडराल ने आतंकवादियों से लड़ते हुए उत्कृष्ट वीरता, नेतृत्व तथा सैनिकोचित कुशाग्रता का प्रदर्शन किया।

4. एसएस-41837 लेफ्टिनेंट नटराजन पार्थिवन  
5 जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 07 अक्टूबर, 2006)

07 अक्टूबर, 2006 की रात को, लेफ्टिनेंट नटराजन पार्थिवन, जम्मू-कश्मीर के गुरेज सेक्टर में पोस्ट कमांडर, को यह सूचना मिली की भारी मात्रा में हथियारों से लैस कुछ आतंकवादी नियंत्रण रेखा को पार करने की फिराक में नजदीक के एक जंगल के छुपे

हुए हैं। वे तुरंत अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे तथा संदिग्ध क्षेत्र को घेर लिया। उन्होंने अपनी टीम को कवर फायर मुहैया कराने का कार्य सौंपा तथा स्वयं अपने साथी के साथ आतंकवादियों के निकट पहुंचे। अचानक, शिलाखण्डों के पीछे से दो आतंकवादी उन पर टूट पड़े तथा अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी जिससे उन्हें गोलियों के गम्भीर घाव लगे। घायल होने के बावजूद अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना वे उन पर टूट पड़े तथा अपने घावों के कारण वीरगति को प्राप्त होने से पूर्व अकेले ही उन्होंने दो आतंकवादियों को निकट की लड़ाई में मौत के घाट उतार दिया। मृत आतंकवादियों से भारी मात्रा में हथियार तथा गोलाबारूद बरामद हुआ।

लेफ्टिनेंट नटराजन पार्थिवन ने शत्रु की गोलीबारी के समक्ष असाधारण वीरता, साहस तथा उच्चकोटि की कर्तव्य परायणता का प्रदर्शन किया और सर्वोच्च बलिदान दिया।

#### 5. आईसी-54327 मेजर मनीष हिराजी पिताम्बरे

##### 3 पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल) (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 27 नवम्बर, 2006)

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के एक गांव के एक खास घर में एक आतंकवादी होने का पता चला था। कमरों की तलाशी ऑपरेशन का कार्य 27 नवम्बर, 2006 को बेहद पेशेवर ढंग से शुरू किया गया। प्रारंभिक गोलीबारी के दौरान मेजर पिताम्बरे का साथी गम्भीर रूप से घायल हो गया। अपने साथी के बेहद खतरे को भांपते हुए मेजर पिताम्बरे ने कमरे में प्रवेश किया तथा स्वयं को भारी खतरे में डालकर अपने साथी को बाहर निकाला। स्थिति की नाजुकता भांपते हुए उन्होंने आतंकवादी पर फिर से गोलियों की बौछार कर दी तथा घातक रूप से घायल होने से पहले आतंकवादी का सफाया कर दिया।

मेजर पिताम्बरे ने उत्कृष्ट बहादुरी, अदम्य साहस का प्रदर्शन किया तथा अपनी सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह न करते हुए अत्यंत पेशेवर ढंग से आतंकवादियों के विरुद्ध ऑपरेशन किया।

#### 6. आईसी-47050 कर्नल गुरबीर सिंह सरना

##### ग्रनेडियर्स/29 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 23 दिसम्बर, 2006)

कर्नल गुरबीर सिंह सरना, राष्ट्रीय राइफल के कमान अफसर थे। उन्होंने 23 दिसम्बर, 2006 को ऑपरेशन चाक बहरामपुर के दौरान सामने से नेतृत्व किया।

जम्मू-कश्मीर के पाटन जिले के एक गांव में चार आतंकवादियों की उपस्थिति की पक्की सूचना के आधार पर, कर्नल सरना तुरंत अपने अफसर दल के साथ मौके पर पहुंचे तथा लक्षित घर को चारों ओर से घेर लिया। तलाशी के दौरान कर्नल सरना ने आतंकवादियों को छिपने के ठिकाने में सर्वप्रथम स्वयं देखा। उन्होंने, जिस घर में आतंकवादी छुपे थे उसका दरवाजा तोड़ दिया तथा अपने साथी के साथ आतंकवादियों को ललकारा। अफसर तथा आतंकवादियों के बीच बहुत नजदीक से गोलीबारी

शुरू हो गई जिसमें इस अफसर ने मौके पर ही एक आतंकवादी को मार गिराया तथा दूसरे को घायल कर दिया। तथापि, इस गोलीबारी के दौरान स्वयं कर्नल सरना को भी गोलियों के अनेक घाव लगे। अत्यंत रक्तस्राव के बावजूद, उन्होंने अपने आदमियों को उन्हें अकेला छोड़ देने के लिए कहा तथा ऑपरेशन जारी रखने की हिदायत दी जिसके फलस्वरूप दूसरे आतंकवादियों का सफाया हुआ। उन्हें ऑपरेशन स्थल से सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया परंतु बाद में, अपने घावों के कारण वे वीरगति को प्राप्त हो गए।

आतंकवादियों से लड़ते हुए कर्नल गुरबीर सिंह सरना ने उत्कृष्ट और असाधारण नेतृत्व तथा अदम्य साहस का परिचय दिया और सर्वोच्च बलिदान दिया।

बरुण मित्रा

संयुक्त सचिव (सी.ए.)

सं. 93-प्रेज़/2007--राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को उनकी असाधारण वीरता के लिए "शौर्य चक्र" प्रदान किए जाने का अनुमोदन करते हैं :-

1. श्री पंकज शर्मा  
पुलिस अधीक्षक, असम

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 01 जुलाई, 2004)

01 जुलाई 2004 को यह सूचना मिली कि एन एस सी एन (आई एम) के लगभग 100 कार्यकर्ताओं ने असम-नागालैंड सीमा पर आरक्षित बन क्षेत्र में चुपके से बंकर बना लिए हैं ताकि वे असम की तरफ भूमि पर अतिक्रमण कर सकें। पुलिस अधीक्षक श्री पंकज शर्मा ने उपलब्ध बल के साथ ठिकाने की ओर प्रस्थान किया। छेटी-छेटी झाड़ियों से घिरी एक पहाड़ी पर इन्होंने एक सामरिक मोर्चा संभाला। एन एस सी एन (आई एम) के कार्यकर्ता तब तक अनेक बंकरों में अपना मोर्चा संभाल चुके थे और उन्होंने अत्याधुनिक हथियारों से सुरक्षा कर्मियों पर चारों ओर से गोलीबारी शुरू कर दी।

भीषण मुठभेड़ लगातार 5 घंटे चली और इस मुठभेड़ के अंत में, एन एस सी एन (आई एम) के कार्यकर्ता, जो बंकरों में सुदृढ़ता से मोर्चा संभाले हुए थे, अपनी हार को देखते हुए भाग खड़े हुए और ये उग्रवादी नागालैंड के जंगलों में छिप गए। ऐसा श्री शर्मा के सक्षम नेतृत्व और कमान के कारण हुआ, जिन्होंने इस मोर्चे की अगुवाई की और बलों के लिए प्रतिकूल भू-भाग में आतंकवादियों को कड़ी और सामरिक टक्कर देने के लिए सुरक्षा बलों को प्रेरित किया। 5 घंटे तक चले भीषण युद्ध में किसी भी सुरक्षा कर्मी को कोई चोट नहीं आई।

श्री पंकज शर्मा ने आतंकवादियों के साथ लड़ते हुए असाधारण साहस, अनुकरणीय युद्ध-कौशल और उच्च नेतृत्व दक्षता का परिचय दिया।

2. जीएस-171799 एन, ऑपरेटर एक्सकेवेटिंग मशीनरी ग्रेड-II  
राम लाल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 17 फरवरी, 2005)

165 फारमेशन कटिंग प्लाटून केयर 81 सड़क निर्माण कंपनी (ग्रेफ) के ऑपरेटर एक्सकेवेटिंग मशीनरी ग्रेड-II राम लाल को खारदुंगला दर्रे

के 25 से 39 कि.मी. तक बर्फ साफ करने के लिए तैनात किया गया था। जनवरी 2005 के अंतिम सप्ताह और फरवरी 2005 के प्रथम सप्ताह के दौरान लद्दाख क्षेत्र सहित सम्पूर्ण जम्मू-कश्मीर में भारी हिमपात हुआ। यह हिमपात लगभग 10 दिनों तक जारी रहा जिस कारण खारदुंगला दर्रा बन्द हो गया। मौसम साफ हो जाने पर, बर्फ को हटाने का कार्य पूरी गति से शुरू किया गया और ओ ई एम राम लाल ने अपने डोजर के साथ दल का संचालन किया। 17 फरवरी 2005 को यह दल खारदुंगला टॉप 39.5 कि.मी. पर पहुंचा।

लगभग 1530 बजे पहाड़ी की चोटी से अचानक भारी हिमस्खलन हुआ जो तेजी से घाटी की ओर आ गया और ओ ई एम राम लाल सहित डोजर और कुछ व्यक्ति उसकी चपेट में आ गए। इस हिमस्खलन के कारण तीन कार्मिक मारे गये। तथापि, ओ ई एम राम लाल बच गए। बिना किसी भय के, ओ ई एम राम लाल ने अगले दिन पुनः अपना कार्य जारी रखा। ये इस सड़क खंड पर तब तक कार्य करते रहे जब तक यह सड़क यातायात के लिए पूर्ण रूप से खुल नहीं गई। ऑपरेटर एक्सकेवेटिंग मशीनरी राम लाल ने विपरीत परिस्थितियों में असाधारण और अनुकरणीय साहस, कर्तव्य परायणता और दृढ़निश्चय का परिचय दिया।

3 जेसी-449287 सूबेदार समदे खान  
14 ग्रनेडियर्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 04 जून, 2005)

उत्तरी सेक्टर के जनरल एरिया में आतंकवादियों की उपस्थिति के सूचना मिलने पर, एक तलाशी तथा सफाया ऑपरेशन शुरू किया गया जिसमें सूबेदार समदे खान एक दल के कमांडर थे। 04 जून, 2005 को 1530 बजे, सैनिकों को आगे बढ़ते देखकर, आतंकवादियों ने भागना शुरू कर दिया। तुरंत ही आतंकवादियों को भागने से रोकने के लिए भारी घेराबंदी कर दी गई। सघन गोलीबारी शुरू हो गई जिसके दौरान टीम के एक अफसर ने एक आतंकवादी को मार गिराया। एक अन्य आतंकवादी को भागते देखकर, सूबेदार समदे खान, आतंकवादी पर टूट पड़ा तथा बिल्कुल नजदीक से उसका सफाया कर दिया।

रात होने तथा अंधेरा छा जाने पर, घेरे को सीमित क्षेत्र तक सीमित कर दिया गया तथा यह सुनिश्चित करने के लिए कि घेराबंदी से बाहर आतंकवादी न भाग सकें इसे पुनः व्यवस्थित किया गया। 05 जून, 2005 को 0700 बजे आतंकवादियों को खोजने का ऑपरेशन पुनः शुरू किया गया। 1600 बजे पुनः शेष बचे एक आतंकवादी के ठिकाने का पता लग गया। आतंकवादी ने सूबेदार समदे खान की पार्टी पर हथगोले फेंके। हथगोले फेंके जाने के बावजूद, सूबेदार समदे खान एक बार फिर से रणनीतिक ढंग से आतंकवादी के निकट पहुंचा तथा आतंकवादी अपनी स्थिति बदलता, इससे पहले सूबेदार समदे खान उस पर टूट पड़ा तथा उसे मौके पर ही मार गिराया।

सूबेदार समदे खान ने आतंकवादियों से लड़ने में व्यावसायिक कुशाग्रता, उत्कृष्ट बहादुरी और उच्चकोटि के नेतृत्व का प्रदर्शन किया।

4. 3390996 हवलदार भाग सिंह  
16 सिख रेजिमेंट

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 27 अगस्त, 2005)

हवलदार भाग सिंह जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में एक चौकी के चौकी कमांडर थे। 27 अगस्त, 2005 को 2215 बजे हस्तचालित धर्मल इमेजर से देखते हुए उन्होंने सुरक्षा बाड़े के पास एक आतंकवादी को देखा। यह जानते हुए कि मुख्य दल को अभी वहां पहुंचना है, उन्होंने अपने बुद्धि-विवेक से घात दल को अपने नियंत्रण में लिया।

15 मिनट से बाद आतंकवादी ने बाड़े में से अपना रास्ता बनाया और संकेत पाते ही तीन आतंकवादी झाड़ी के पास पहुंचे। इस दौरान पहला आतंकवादी बाड़े में से निकल गया था जैसे ही दो आतंकवादी बाड़े से निकलने वाले थे, हवलदार भाग सिंह ने अपनी लाइट मशीनगन से फायर किया और उन्हें मार गिराया तथा तेजी से छलांग लगाई और भागते हुए आतंकवादी पर धावा बोल दिया और एमदम नजदीक से उसे उसी समय मार गिराया। इस बीच पत्थर के पीछे छिपे चौथे आतंकवादी ने भारी गोलीबारी और ग्रेनेडों के साथ प्रत्याक्रमण किया। अपने साथी को स्पिलिटों की चोट से घायल हुआ देखकर अपनी सुरक्षा की बिल्कुल परवाह न करते हुए हवलदार भाग सिंह रेंगते हुए आतंकवादी की ओर गए और ग्रेनेड फेंककर उसे घायल कर दिया। घायल आतंकवादी अपना हथियार छोड़कर अंधेरे में भागने में सफल हो गया।

हवलदार भाग सिंह ने आतंकवादियों के साथ लड़ते हुए रणनीति, धैर्य, कमान और नियंत्रण, कौशल और अदम्य साहस का परिचय दिया।

5. 76184 राइफलमैन हुइझोम बिजेन्द्रो सिंह  
7 असम राइफल (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 27 दिसम्बर, 2005)

पूर्वी क्षेत्र के एक एरिया में तैरती हुई मछुआरा झोंपड़ियों में आश्रय लेने वाले कुछ आतंकवादियों के बारे में विशिष्ट सूचना मिलने के आधार पर 27 दिसम्बर 2005 को एक ऑपरेशन चलाया गया। राइफलमैन हुइझोम बिजेन्द्रो सिंह उस दल में शामिल थे।

यह संदिग्ध छिपने का ठिकाना 3-4 मीटर उंची घास से ढका हुआ था और घने कोहरे के कारण रोशनी अत्यधिक कम थी। जैसे ही यह दल उस छिपने के ठिकाने पर पहुंचा, एक आतंकवादी अचानक बाहर निकला और निकट आ रहे दल को देखते हुए उसने तुरंत गोलीबारी शुरू कर दी। आतंकवादी के साथ जल्दी ही अन्य आतंकवादी भी आ गए और उन्होंने दल पर गोलियों की झड़ी लगा दी। आतंकवादी द्वारा की गई आरंभिक गोलियों की बौछार के दौरान राइफलमैन हुइझोम बिजेन्द्रो सिंह को जांघ पर गोली लगी। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद राइफलमैन हुइझोम बिजेन्द्रो सिंह ने झील में उगी झाड़ी से लटकते हुए गोलीबारी की और घावों के कारण वीरगति को प्राप्त होने से पूर्व मौके पर ही दो आतंकवादियों को मार गिराया।

राइफलमैन हुइझोम बिजेन्द्रो सिंह ने अडिग साहस, सामरिक कौशल, भारी गोलीबारी के दौरान विवेक का प्रदर्शन किया और आतंकवादियों के साथ लड़ते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया।

6. आई सी-58462 मेजर विनीष मुकुन्दन  
ग्रेनेडियर्स/29 राष्ट्रीय राइफल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 31 जनवरी, 2006)

31 जनवरी, 2006 को मेजर विनीष मुकुन्दन को जम्मू-कश्मीर के बारामुला जिले के पाटन के निकट आतंकवादियों की उपस्थिति का सुराग मिला। जब मेजर विनीष मुकुन्दन अपने साथी के साथ छुपने के ठिकाने के संबंध में पुष्टि करके टोह लगा रहे थे तो लगभग 25 मीटर की दूरी से उन पर गोलीबारी हो गई। त्वरित कार्रवाई करते हुए मेजर विनीष मुकुन्दन ने एक आतंकवादी को मार गिराया। दूसरे आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी तथा उन पर हथगोले फेंके। गोलीबारी के बीच अनुकरणीय धीरज का प्रदर्शन करते हुए वे रेंगकर आगे बढ़े और पता लगाकर दूसरे आतंकवादी का सफाया कर दिया। दूसरे आतंकवादी की पहचान आतंकवादी संगठन के स्वयं-भू बटलियन कमांडरों के रूप में हुई।

मेजर विनीष मुकुन्दन ने आतंकवादियों के साथ लड़ने में अनुकरणीय साहस, दृढ़ संकल्प तथा उच्च दर्जे के नेतृत्व का प्रदर्शन किया।

7. आई सी-55810 मेजर जंग बहादुर सिंह, सेना मेडल  
सेना सेवा कोर/38 राष्ट्रीय राइफल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 04 मार्च, 2006)

जम्मू-कश्मीर में ऑपरेशन 'रक्षक' के दौरान मेजर जंग बहादुर सिंह ने एक सूचना स्रोत की व्यवस्था की तथा आतंकवादियों के छुपने के ठिकाने की सूचना प्राप्त की। उन्होंने लगातार रात-दिन तीन आतंकवादियों की गतिविधि का वास्तविक स्थान की पुष्टि होने तक पीछा किया। उन्होंने अपनी जान को जोखिम में डालकर स्वयं आतंकवादियों को उड़ाने के लिए छिपने के ठिकाने की छत पर विस्फोटक लगा दिए। आतंकवादियों की हरकत की प्रत्याशा में, मेजर सिंह छिपने के ठिकाने के निकट रुके तथा ज्योंही पहले आतंकवादी ने बाहर निकलने की कोशिश की उन्होंने बिल्कुल नजदीक से आतंकवादी को गोली मार दी। बाद में, गतिरोध तोड़ने के लिए इस अफसर ने फिर से सुविचारित जोखिम उठया तथा रेंगकर घर के निकट पहुंचे जहां पर आतंकवादियों ने आड़ ली हुई थी तथा बिल्कुल निकट से फायर करके शेष दोनों आतंकवादियों को मार गिराया।

मेजर जंग बहादुर सिंह ने आतंकवादियों के साथ लड़ने के दौरान अदम्य साहस, साहचर्य और पक्के इरादे का प्रदर्शन किया।

8. जीएस-153964एल अधीक्षक भवन एवं सड़क ग्रेड-II  
विजय राज (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 20 अप्रैल, 2006)

366 सड़क अनुरक्षण पलटन कैयर 110 सड़क निर्माण कम्पनी (ग्रेफ) के श्री विजय राज को डिटेचमेंट पोस्टेयो में तैनात किया गया था जो इस आर सी सी का दूरस्थ क्षेत्र और अत्यधिक आतंकवादी बहुल क्षेत्र था। विजय राज को अत्यधिक सामरिक महत्व वाली बुढ़ाल-मोह-गुल रोड़ जो राजौरी और उधमपुर के बीच सम्पर्क सड़क है की फारमेशन कटिंग की निगरानी का महत्वपूर्ण कार्य सौंपा गया था। पड़ोसी डिटेचमेंटों

में पहले दिहाड़ी मजदूरों के मारे जाने और आतंकवादियों के सदैव बने हुए खतरे के बावजूद, विजय राज ने अपने दल का नेतृत्व जारी रखा तथा कार्य पूरा करने के लिए उन्हें प्रेरित करते रहे। 20 अप्रैल, 2006 को विजय राज ने शाम को देर तक कार्य किया और अपने पोस्टेयो स्थित डिटेचमेंट में पैदल ही वापस लौटने का निर्णय लिया। तभी उन्होंने चार आतंकवादियों को अपने कार्यस्थल की ओर आगे बढ़ते हुए देखा। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए, वह अपने साथियों को भागने के लिए बड़ी जोर से चिल्लाए। चूंकि विजय राज, एक दिहाड़ी मजदूर और एक मेट के साथ वाहन से दूर थे, तभी चार आतंकवादियों ने उन्हें घेर लिया। जैसे ही आतंकवादी उन्हें पंक्तिबद्ध कर रहे थे, विजय राज ने मेट को घाटी की ओर धक्का दिया और उसकी जान बचाई। ऐसा करने से आतंकवादी क्रोधित हो गए और उन्होंने विजय राज और दिहाड़ी मजदूर की वहाँ पर गोली दागकर मार दिया।

श्री विजय राज ने अपने कर्तव्य का निर्वाह करने में असाधारण साहस, साहचर्य और निःस्वार्थ भाव का प्रदर्शन करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया।

9. श्री जंगल नारायण पाण्डेय  
असम

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 24 अप्रैल, 2006)

24 अप्रैल, 2006 की रात्रि को लगभग 11.00 बजे असम के कर्बी अंगलॉग जिले के एक छोटे गांव पुलिया बस्ती में कर्बी जनमुक्ति मोर्चा संगठन जो इस क्षेत्र में हथियारबंद लूटपाट गतिविधियों में संलिप्त है, के संदिग्ध चार अतिवादियों का एक गिरोह श्री जंगल नारायण पाण्डेय के घर आए। उनमें से दो बाहर रुके और दो घर में घुस गए। उनमें से एक ने श्री पाण्डेय पर एके-47 राइफल तान दी और धमकी दी कि यदि उन्हें तत्काल 50,000/- रुपये नहीं दिए गए तो वे उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को जान से मार देंगे।

वीरता का दुर्लभ उदाहरण पेश करते हुए अपनी जान के लिए खतरे की परवाह किए बिना श्री पाण्डेय अतिवादी पर कूद पड़े और उसकी राइफल छीनने की कोशिश की। उस अतिवादी ने अपनी राइफल अपने साथ आए दूसरे साथी की ओर बढ़ा दी। अत्यधिक सूझबूझ और फुर्ती का परिचय देते हुए श्री पाण्डेय उसी समय दूसरे अतिवादी पर झपट पड़े और इससे पहले कि वह राइफल से फायर करता उसे दबोच लिया। इस अतिवादी ने श्री पाण्डेय के दाहिने हाथ को जोर से काट्य परंतु वह अपने आपको छुड़ा नहीं सका।

शोरगुल और श्री पाण्डेय के चिल्लाते से उनके छोटे भाई सचेत होकर कमरे में गए और पहले अतिवादी पर लाठी से प्रहार किया। इसी बीच, श्री पाण्डेय दूसरे अतिवादी से एके-47 राइफल छीनने में सफल हो गए। अतिवादियों ने भागना शुरू किया। श्री पाण्डेय ने पहले अतिवादी को पकड़े रखा जबकि इनके भाई ने अंधेरे में अन्य अतिवादियों का पीछा किया और उनमें से एक का धर दबोचा। अब तक उनके साथ गांव वाले भी आ गए थे और पुलिस को सूचना दे दी गई थी।

श्री जंगल नारायण पाण्डेय ने प्रतिकूल स्थिति का सामना करते हुए दुर्लभ और उत्कृष्ट साहस का परिचय दिया और दो दुर्दान्त शस्त्रधारी अतिवादियों और एक एके-47 राइफल को पकड़वाया।

10. आई सी-60765 मेजर कृष्णन निशान्त नायर  
बिहार रेजिमेंट/32 असम राइफल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 25 अप्रैल, 2006)

25 अप्रैल, 2006 को मेजर कृष्णन निशान्त नायर को मणिपुर के थौबल जिले के एक क्षेत्र में प्रतिविद्रोही ऑपरेशनों के लिए तैनात किया गया था। 0030 बजे, जब ये दो गांवों के बीच से गुजर रहे थे तब मेजर निशान्त ने एक मारुती वैन को घूमते हुए देखा। यह भांपते हुए कि इस समय इस वाहन का उपयोग केवल आतंकवादियों द्वारा किया जा सकता है, मेजर निशान्त ने चार आदमियों के साथ अपने वाहन में बहादुरी से उनका पीछा किया। उनके वाहन को देखकर वैन ने गति तेज कर दी। अडिग रहते हुए, मेजर निशान्त ने निकट पहुंचने तक उनका पीछा करना जारी रखा तथा अब वे आतंकवादियों के आमने-सामने थे। ललकारे जाने पर आतंकवादियों ने अंधेरे में बच निकलने की फिराक में कारगर गोलीबारी शुरू कर दी। बिल्कुल नजदीकी गोलीबारी में निर्भीक रहते हुए तथा व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह न करके मेजर निशान्त ने चार आतंकवादियों में से तीन को मौके पर ही मार डाला। बाद में, चौथा आतंकवादी भी ऑपरेशन के दौरान मारा गया तथा दो पिस्तौल, गोलाबारूद और मारुति वैन बरामद किए गए।

मेजर कृष्णन निशान्त ने आतंकवादियों के साथ लड़ते हुए निर्भीक प्रतिभा, व्यक्तिगत साहस तथा अत्यधिक उच्च दर्जे के प्रेरक नेतृत्व का प्रदर्शन किया।

11. 15484670 सेंवार धीरज सिंह  
कवचित कोर/24 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 02 मई, 2006)

सेंवार धीरज सिंह जम्मू और कश्मीर में श्रीनगर के एक घर में की गई सघन घेराबंदी में शामिल थे जहां पर तीन आतंकवादी छिपे हुए थे। 02 मई, 2006 को 2315 बजे, घेराबंदी पार्टी द्वारा घेरे गए घर में घुसने का प्रयास करते समय एक आतंकवादी ने दूसरे आतंकवादी द्वारा की जा रही भारी कवरिंग फायर के अंतर्गत आत्मघाती आक्रमण करने का प्रयास किया। प्रभावी गोलीबारी के घेरे में आने के बावजूद, सेंवार धीरज सिंह ने अपनी स्थिति संभाली और अपनी पार्टी को आतंकवादी प्रयास के प्रति सचेत किया। इसके तुरंत बाद, दूसरे आतंकवादी ने उसके प्रवेश में सहायता देने के लिए घेराबंदी तोड़ने का प्रयास किया। सेंवार धीरज ने अपने दल के लिए आसन्न खतरे को भांपते हुए अपनी फायर-लाइन की ओर बढ़ने वाले आतंकवादी पर धावा बोल दिया और उसे मार गिराया। तथापि, इस प्रक्रिया में वह घायल हो गया। निरंतर रक्त बहने और अपनी चोट की कतई परवाह न करते हुए उन्होंने बिना किसी भय के दूसरे आतंकवादी की गोलियों की बौछार का पुनः सामना किया और उसे उलझाए रखा। आतंकवादी पूरी तरह चौंक गया और इससे पहले कि वह कोई प्रतिक्रिया करता, सेंवार धीरज ने उसे मार गिराया। तथापि, चोटें लगने के कारण बाद में उनकी मृत्यु हो गई।

सेंवार धीरज सिंह ने आतंकवादियों के साथ लड़ते हुए असाधारण बहादुरी तथा उत्कृष्ट शौर्य का परिचय दिया और सर्वोच्च बलिदान दिया।

12. 2897670 राइफलमैन केदार सिंह  
राजपूताना राइफल/43 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 10 मई, 2006)

जम्मू और कश्मीर में राजोरी जिले के एक क्षेत्र में संक्रिया के दौरान राइफलमैन केदार सिंह एक प्रमुख स्काउट थे। यह क्षेत्र बर्फ से ढका हुआ और तीखी खड़ी चट्टान वाला ऊबड़-खाबड़ क्षेत्र है। 10 मई, 2006 को उन्होंने एक पेड़ के पीछे आतंकवादियों के एक समूह को देखा और आतंकवादियों की ओर से आ रही प्रभावी गोलीबारी के बावजूद बिजली की गति से भागकर उनके भागने के मार्ग को अवरुद्ध करने में अनुकरणीय साहस का परिचय दिया। भीषण गोलीबारी के कारण आतंकवादी घायल हो गए थे। घायल आतंकवादियों में से एक ने राइफलमैन केदार सिंह के ऊपर छलांग लगा दी और ग्रेनेड से हमला करके उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद राइफलमैन केदार सिंह ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल भी चिंता न करते हुए आतंकवादियों पर प्रभावी गोलीबारी की और घावों के कारण मृत्यु हो जाने से पूर्व बिल्कुल नजदीक से एक आतंकवादी का सफाया कर दिया। बाद में खोजबीन करते पर एक और आतंकवादी का शव मिला जो राइफलमैन केदार सिंह द्वारा की गई गोलीबारी के कारण मारा गया था।

राइफलमैन केदार सिंह ने आतंकवादियों के साथ लड़ते हुए पेशेवर क्षमता और अनुकरणीय साहस का परिचय दिया और सर्वोच्च बलिदान दिया।

13. जे सी-519848 नायब सूबेदार राजबहादुर  
डोगरा रेजिमेंट/62 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 15 मई, 2006)

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर क्षेत्र के एक घर में आतंकवादियों के बारे में पक्की गुप्त सूचना मिलने के आधार पर तलाशी तथा घेराबंदी की एक संक्रिया चलाई गई थी। खोजी दल के सदस्य नायब सूबेदार राजबहादुर ने दो आतंकवादियों को पूरी रात उलझाए रखा। प्रातः उन्होंने एक आतंकवादी को देखा, भारी गोलाबारी के बीच सटीक निशाना साधा और आतंकवादी को गंभीर रूप से घायल कर दिया। जैसे ही वह आतंकवादी गिरा, नायब सूबेदार राजबहादुर ने गोलियों की बौछार के बीच दूसरे आतंकवादी की ओर रुख किया और उसे उलझाए रखा।

आतंकवादी को अब उनके बारे में पता चल गया था, फिर भी आतंकवादी की प्रभावी गोलाबारी के चलते, अदम्य साहस का परिचय देते हुए उन्होंने उस पर धावा बोल दिया। अपनी सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह न करते हुए तथा चतुरता से चलते हुए, आतंकवादी की गोलीबारी की परवाह किए बिना उन्होंने नजदीक से उसे मार गिराया। जैसे ही वे घूमे, पहले घायल आतंकवादी ने उनके चेहरे पर गोली दाग दी। गंभीर रूप से घायल नायब सूबेदार राज बहादुर अपना सर्वोच्च बलिदान देते हुए गिर पड़े।

नायब सूबेदार राजबहादुर ने आतंकवादियों के साथ लड़ने में संक्रिया की अगुवाई करते हुए असाधारण नेतृत्व का परिचय दिया और विषम परिस्थितियों में अतुल्य साहस का प्रदर्शन किया और सर्वोच्च बलिदान दिया।

14. आई सी-60477 मेजर विरिन्दर सिद्ध  
राजपूत रेजिमेंट/23 राष्ट्रीय राइफल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 16 मई, 2006)

मेजर विरिन्दर सिद्ध को 16 मई, 2006 को जम्मू-कश्मीर के राल्मंडू में आतंकवादियों के उपस्थित होने के बारे में गुप्ता सूचना मिली। इस अफसर ने तेरह सैनिकों के एक बल के साथ आतंकवादियों का सही-सही पता लगाने के लिए तुरन्त कार्रवाई शुरू की। प्रतिकूल भू-क्षेत्र के कठिन रास्ते को पांच घण्टे में तय करने के बाद, उन्होंने चार आतंकवादियों को देखा। ये लगभग 10 मीटर अन्दर गए जिससे आतंकवादी भारी स्वचालित हथियारों से गोलीबारी करने के लिए विवश हो गए। अडिग रहते हुए इस अफसर ने गोलीबारी की तथा घातक निकट रेंज से एक आतंकवादी को मार गिराया। अन्य आतंकवादी नाले में उतर गए तथा उन्होंने अंडर बैरल ग्रेनेड लांचर तथा छोटे हथियारों से गोलीबारी की। अदम्य साहस तथा धैर्य का प्रदर्शन करते हुए, मेजर विरिन्दर सिद्ध ने बिल्कुल निकट की लड़ाई में और दो आतंकवादियों का सफाया कर दिया। उनकी बहादुरी से प्रेरित होकर उनकी टीम ने चौथे आतंकवादी का सफाया कर दिया।

मेजर विरिन्दर सिद्ध ने आतंकवादियों के साथ लड़ने में सूचना जुटाने, कुशल योजना प्रबंध, दोषरहित कार्यनिष्पादन तथा उत्कृष्ट बहादुरी का प्रदर्शन किया।

15. 2682895 हवलदार सन्तोष कुमार  
14 ग्रेनेडियर्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 18 मई, 2006)

18 मई, 2006 को उत्तरी क्षेत्र के सामान्य क्षेत्र में एक खोजी और विध्वंस संक्रिया चलाई गई थी। खोज के दौरान, हवलदार सन्तोष ने एक चट्टान के नीचे तीन आतंकवादियों को छुपा हुआ देखा। उन्होंने अपने साथी को अचूक गोलीबारी से तीनों आतंकवादियों को मार गिराने का कार्य सौंपा और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह न करते हुए तथा उत्कृष्ट फील्ड कौशल का प्रदर्शन करते हुए एक ओर से वहां पर पहुंचकर आश्चर्यजनक कार्य किया। अच्छी स्थिति में पहुंचने पर उन्होंने विस्मित आतंकवादियों पर धावा बोलते हुए दो को घटना स्थल पर ही मार गिराया। तीसरे आतंकवादी ने मोर्चा बदला और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। हवलदार सन्तोष कुमार के निर्देशों पर उनके साथी ने मोर्चा बदला और आतंकवादी को देखते ही प्रभावी गोलीबारी से उसे निष्क्रिय कर दिया। हवलदार सन्तोष कुमार ने तत्काल स्थिति का लाभ उठाया और इससे पहले कि आतंकवादी अपना मोर्चा बदले, उत्कृष्ट साहस का प्रदर्शन करते हुए आतंकवादी पर धावा बोल दिया और उसे वहीं पर मार गिराया।

हवलदार सन्तोष कुमार ने आतंकवादियों से साथ लड़ने में अनुकरणीय साहस, व्यावसायिक कुशाग्र बुद्धि और अत्यधिक धैर्य का प्रदर्शन किया।

✓ 16. आई सी-63128 मेजर मानवेन्द्र सिंह  
20 जम्मू-कश्मीर राइफल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 05 जून, 2006)

मेजर मानवेन्द्र सिंह को 5/6 जून, 2006 की रात को जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के एक स्थान पर घुसपैठ के रास्ते को बंद करने के

लिए घातक प्लाटून के साथ तैनात किया गया था। जब मौसम खराब हो गया तो उन्होंने कुछ संदिग्ध गतिविधि देखी तथा तदनुसार, अपने घात-दल को पुनः व्यवस्थित किया।

0130 बजे उनके घात-दल ने घुसपैठ करते आतंकवादियों की स्थिति का पता लगाया तथा गोलीबारी शुरू कर दी। इस अफसर ने आतंकवादियों की हरकत के साथ उनका पीछा किया तथा घुसपैठ कर रहे आतंकवादियों पर गोलीबारी की और उनमें से एक का सफाया कर दिया। अन्य दो आतंकवादियों ने बिल्कुल नजदीक से गोलियों की भारी बौछार कर दी। वैयक्तिक सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह किए बिना, वे रेंगकर एक शिलाखण्ड के पीछे पहुंचे तथा वहां से गोलीबारी करके दो आतंकवादियों का सफाया कर दिया।

मेजर मानवेन्द्र सिंह ने आतंकवादियों के साथ लड़ते हुए अडिग साहस, उत्कृष्ट युद्ध कौशल तथा कर्तव्यपरायणता से भी बढ़कर उच्चतम कोटि की सैनिकोचित क्षमता का परिचय दिया।

17. आई सी-48760 लेफ्टिनेंट कर्नल राज कुमार  
कुमाऊं रेजिमेंट/50 राष्ट्रीय राइफल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 13 जून, 2006)

लेफ्टिनेंट कर्नल राज कुमार जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में एक ऑपरेशन के दौरान एक त्वरित कार्रवाई दल की अगुवाई कर रहे थे।

13 जून, 2006 को, लगभग 1030 बजे उस क्षेत्र में आतंकवादियों को देखा गया। सूचना होने पर, लेफ्टिनेंट कर्नल राज कुमार अपने त्वरित कार्रवाई दल के साथ तुरन्त मौके के लिए चल पड़े। जब वे स्थिति का जायजा ले रहे थे, उनका दल स्वचालित हथियारों तथा ग्रेनेड फायर की भारी गोलीबारी के बीच घिर गया। अपनी सैन्य टुकड़ी के लिए खतरों को भांपते हुए ये भारी गोलीबारी के बीच आगे बढ़े तथा वैयक्तिक सुरक्षा की किंचित भी परवाह किए बिना लड़ते रहे और एक आतंकवादी को मार गिराया। दूसरे आतंकवादी से लड़ते समय ये गम्भीर रूप से घायल हो गए। अत्यधिक रक्तस्राव के बावजूद, इन्होंने लड़ना जारी रखा तथा दूसरे आतंकवादी को भी मार गिराया। भयंकर गोलीबारी में, लेफ्टिनेंट कर्नल राज कुमार को बन्दूक की गोली लग गई और गम्भीर रूप से घायल हो गए।

लेफ्टिनेंट कर्नल राज कुमार ने आतंकवादियों से लड़ते हुए अपनी जान को गंभीर खतरे में डालकर असाधारण वीरता, साहचर्य और अडिग साहस का परिचय दिया।

18. आई सी-51682 लेफ्टिनेंट कर्नल विनय राव चौहान  
1 गोरखा राइफल/15 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 13 जून, 2006)

13 जून, को 0900 बजे, एक खास आसूचना मिलने पर, राष्ट्रीय राइफल युनिट की कमान कर रहे लेफ्टिनेंट कर्नल विनय राव चौहान ने जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले के बांदीपुरा कस्बे में एक अचूक आक्रमण शुरू किया। जब घेराबंदी की जा रही थी तो आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी कर दी। अडिग होकर और सामने से अगुवाई करते हुए इस अफसर ने बिजली की गति से अपने साथी तथा एक अन्य सीमा

सुरक्षा बल अफसर को आतंकवादियों की गोलीबारी के बीच एक तरफ धकेल दिया और अतुल्य प्रचण्डता से आगे बढ़े तथा बिल्कुल नजदीक से एक विदेशी आतंकवादी को मार गिराया। इस कार्रवाई के दौरान यह अफसर गम्भीर रूप से घायल हो गया तथा अपने गम्भीर घावों के कारण ऑपरेशन स्थान पर वीरगति को प्राप्त हो गए।

लेफ्टिनेंट कर्नल विनय राव चौहान ने अदम्य साहस, वास्तविक चरित्रबल, प्रेरक नेतृत्व का परिचय दिया और आतंकवादियों के साथ लड़ते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया।

19. आई सी-64493 लेफ्टिनेंट थियाम इबनगोचऊबा लूवांग  
21 पैराशूट रेजिमेन्ट (विशेष बल)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 14 जून, 2006)

लेफ्टिनेंट थियाम इबनगोचऊबा लूवांग, एक धावा टुकड़ी की कमान कर रहे थे जिसने पूर्वी सेक्टर में न्यू वाक्सु और संगथांग के बीच घात लगा रखी थी

निकटवर्ती मार्ग पर संदिग्ध आतंकवादी हरकत की सूचना निगरानी टुकड़ी द्वारा देने पर, 14 जून 2006 को लगभग 0845 बजे इस अफसर ने उपलब्ध कवर कर इस्तेमाल करते हुए शीघ्रता से पुनः तैनाती करके अपना घात स्थल को व्यवस्थित किया। इन्होंने उत्कृष्ट युद्ध कौशल तथा सूझबूझ का इस्तेमाल किया। हैरतअंगेज त्वरित कार्रवाई के कारण आगे बढ़ रहे आतंकवादी घात स्थल के पांच मीटर नजदीक तक आ गए। स्वयं को भारी खतरे में डालकर इस अफसर ने विलंब से गोलीबारी करके इसे नियंत्रित किया ताकि आतंकवादी मारक हद में आ जाएं। इस अफसर के शानदार गोलीबारी नियंत्रण के फलस्वरूप दो आतंकवादी मौके पर ही मारे गए तथा दो और घायल हुए। इस लड़ाई में इस अफसर ने कुल मिलाकर तीन आतंकवादी मार गिराए तथा एके-56 मैग्जीनों सहित 3 एके-56 राइफलें तथा 7.62 मि.मी. के 90 राउंड बरामद किए।

लेफ्टिनेंट थियाम इबनगोचऊबा ने आतंकवादियों के साथ लड़ते हुए अदम्य साहस, उत्कृष्ट बहादुरी, अनुकरणीय नेतृत्व तथा निःस्वार्थ समर्पण का परिचय दिया।

20. आई सी-62070 कैप्टन शशि भूषण सिंह, से.मे.  
इन्जीनियर्स कोर/55 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरान्त)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 23 जून, 2006)

23 जून, 2006 को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले के एक गांव के घरों के एक समूह में आतंकवादी गतिविधि के बारे में सूचना प्राप्त हुई। कैप्टन शशि भूषण सिंह घातक प्लाटून की कमान कर रहे थे जिसे उस स्थान पर पहुंचने का आदेश दिया गया था। ज्योंहि उनकी टीम उस क्षेत्र में पहुंची उन पर भारी गोलीबारी हो गई। दो आतंकवादी जो घरों के समूह में घुसे हुए थे, घेराबंदी को तोड़ने का प्रयास करने लगे। सैनिकों की सही स्थिति सुनिश्चित करने के लिए कैप्टन शशि भूषण सिंह भारी गोलीबारी के बावजूद उस क्षेत्र में प्रवेश कर गए। इस प्रकार, जारी गोलीबारी में कैप्टन शशि भूषण सिंह ने आतंकवादियों में से एक को मार गिराया। इस कार्रवाई में उन्हें गर्दन तथा हाथ में गोलियों के गम्भीर घाव लगे। घावों के बावजूद, उन्होंने उस दूसरे आतंकवादी को घेरने के लिए अपने सैनिकों को गोलीबारी करने की हिदायत दी जिसे बाद में मार गिराया गया।

कैप्टन शशि भूषण सिंह ने उच्चतम कोटि के नेतृत्व तथा विकट परिस्थितियों में अद्वितीय साहस का परिचय दिया और आतंकवादियों से लड़ते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया।

21. आई सी-60107 कैप्टन नयनज्योति बुरागोहाई  
1 नगा रेजिमेंट

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 11 जुलाई, 2006)

पूर्वी सेक्टर के जनरल एरिया में आतंकवादियों की उपस्थिति के संबंध में कैप्टन नयनज्योति द्वारा जुटाए गए स्रोत से खास सूचना मिलने पर 11 जुलाई, 2006 को एक तलाशी तथा सफाया ऑपरेशन शुरू किया गया था। बदलियन के तीन जत्थे, कैप्टन नयनज्योति के अधीन थे। कैप्टन नयनज्योति के अधीन जब पार्टी एक नदी के साथ-साथ आगे बढ़ रही थी तो जत्थे पर आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। प्रतिकूल स्थिति से घबराए बिना कैप्टन नयनज्योति ने रणनीतिक ढंग से जत्थे की तैनाती की तथा फुर्ती से अचूक निशानेबाजी के साथ कार्रवाई करते हुए अगुवाई कर रहे आतंकवादी को मार गिराया। इस बीच इन्होंने बच निकलने के सभी संभव रास्तों को रोकने के लिए अन्य दो जत्थों की रणनीतिक तैनाती की। यद्यपि उनका जत्था कारगर ढंग से आतंकवादियों से लड़ता रहा तथापि, कैप्टन नयनज्योति दमदार रणनीतिक कौशलता तथा फौलादी इरादों का प्रदर्शन करते हुए वैयक्तिक सुरक्षा की किंचित भी परवाह न करके आतंकवादियों के और निकट आए तथा एक अन्य आतंकवादी को गोली से उड़ा दिया जो सैनिकों पर कारगर गोलीबारी कर रहा था।

कैप्टन नयनज्योति ने बहादुरीपूर्ण तथा साहसिक कार्रवाई में आतंकवादियों के साथ लड़ते हुए अडिग साहस, प्रशंसनीय नेतृत्व, मजबूत इच्छाशक्ति, तथा उच्च दर्जे की पहलशक्ति का प्रदर्शन किया।

22. आई सी-166035 एल ऑपरेटर एक्सकेवेटींग मशीनरी ग्रेड-I  
शिवाजी सिंह (मरणोपरान्त)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 14 जुलाई, 2006)

156 फारमेशन कटिंग प्लाटून केयर 85 सड़क निर्माण कम्पनी (ग्रेफ) के ऑपरेटर एक्सकेवेटींग मशीनरी ग्रेड-I शिवाजी सिंह को फारमेशन कटिंग के लिए हापोली-सारली-हुरी सड़क पर तैनात किया गया था।

14 जुलाई, 2006 को, हापोली-सारली-हुरी सड़क के अति संवेदनशील हिस्से में सख्त चट्टान में प्रारम्भिक फारमेशन कटिंग का नितान्त कठिन कार्य करते समय अचानक पहाड़ी की चोटी से भारी मात्रा में भूस्खलन/पत्थर गिरने की घटना घटी। इस कारण ऑपरेटर शिवाजी सिंह सहित डोजर लुढ़कता हुआ गहरी घाटी में गिर गया जिसके परिणामस्वरूप मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। अपने नियोजन के दौरान श्री शिवाजी सिंह ने अत्यधिक साहस का परिचय दिया और दूसरों के वास्ते एक अनुकरणीय असाधारण उदाहरण प्रस्तुत किया।

ऑपरेटर एक्सकेवेटींग मशीनरी ग्रेड-I शिवाजी सिंह ने जीवन के प्रति आसन्न खतरे का सामना करने में कर्तव्यपरायणता, निःस्वार्थ भावना और साहस का अनोखा परिचय दिया और अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया।

23. 16012059 राइफलमैन सुरेश सिंह सोलंकी  
राजपूताना राइफल/9 राष्ट्रीय राइफल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 19 जुलाई, 2006)

19 जुलाई, 2006 को विशिष्ट सूचना के आधार पर जम्मू और कश्मीर के अनंतनाग जिले के एक गांव में राष्ट्रीय राइफल, विशेष संक्रिया समूह, कुलगाम और पुलवामा, एक इंफैंट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना) और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की एक बटालियन के संयुक्त दलों ने घेराबंदी और खोजी कार्रवाई शुरू की।

0300 बजे उक्त गांव का पूरी तरह से घेराबंदी की गई। 0500 बजे आतंकवादियों ने गोलियों की भारी बौछार करते हुए घेराबंदी को तोड़ने के प्रयास किए। इस गोलीबारी की लड़ाई में राइफलमैन सुरेश सिंह सोलंकी को गोलियों के कई घाव लगे और उनका हथियार नाले में गिर गया। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद राइफलमैन सुरेश सिंह सोलंकी ने अत्यधिक साहसिक कार्रवाई में अपने आपको शांत रखते हुए और अपनी वैयक्तिक सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह न करते हुए आतंकवादियों के ऊपर छलांग लगा दी, उनका हथियार छीन लिया और आमने-सामने की लड़ाई में एक आतंकवादी को मार गिराया और दूसरे आतंकवादी को बुरी तरह घायल कर दिया जिसे बाद में मार दिया गया।

राइफलमैन सुरेश सिंह सोलंकी ने कर्तव्यपरायणता से भी बहुतकर अत्यधिक अनुकरणीय वीरता, अदम्य साहस, अत्यंत सूझबूझ और दृढ़निश्चय का परिचय दिया।

24. 3989713 लांस हवलदार सीशपाल सिंह  
डोगरा रेजिमेंट/62 राष्ट्रीय राइफल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 20 जुलाई, 2006)

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले के एक क्षेत्र में खोज और सफाया ऑपरेशन के दौरान लांस हवलदार सीशपाल ने वास्तविक सुदृढ़ घेराबंदी सुनिश्चित की और एक लक्षित घर से मुश्किल से पांच मीटर की दूरी पर पोजीशन संभाली।

20 जुलाई, 2006 को लांस हवलदार सीशपाल सिंह ने एक आतंकवादी को घर से चुपचाप निकलते देखा। उन्होंने आगे से उसका सामना किया और बहादुरी से उसे मार गिराया। दुविधा की स्थिति का लाभ उठते हुए दो आतंकवादी झाड़ियों में अदृश्य हो गए। अपनी सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह न करते हुए असाधारण और अदम्य साहस का परिचय देते हुए उन्होंने उन पर अपनी नजर बनाए रखते हुए झाड़ियों में उनका पीछा किया। गोलियों की बौछार के बीच रेंगते हुए अपने हथियार से उन पर धावा बोल दिया और दो आतंकवादियों को मार गिराया।

लांस हवलदार सीशपाल सिंह ने तीन आतंकवादियों का काम तमाम करते समय असाधारण और अदम्य साहस, पेशेवर दक्षता और अत्यंत विषम परिस्थिति में अतुलनीय दूरदर्शिता का परिचय दिया।

25. श्री राम कर्ण भामेर, मध्य प्रदेश

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 26 जुलाई, 2006)

26 जुलाई, 2006 को श्री राम कर्ण भामेर महू में बैंक से 1,80,000/- रुपये निकालने के बाद अपने पुत्र के साथ अपनी कार में अपने गांव जा रहे थे।

जंगल के रास्ते से गुजरते हुए उनकी कार को तीन लुटेरों ने ओवरटेक किया जो बोलेरो जीप में उनका पीछा कर रहे थे और उन्हें जबरदस्ती रोक दिया। इन लुटेरों ने लंबे चाकुओं से उन पर हमला किया जिसके कारण इनकी गर्दन और उंगलियों में जख्म हो गए और लुटेरों ने नकदी से भरे थैले को झपटने की कोशिश की। श्री भामेर ने उन्हें धकेल दिया। इन्होंने मानसिक दृढ़ता का परिचय देते हुए अपनी .32 बोर की रिवाल्वर बाहर निकाली और लुटेरों पर तीन गोलियां दागीं जिसमें एक लुटेरा मारा गया और अन्य जख्मी हो गए। मारे गए लुटेरे की बाद में खूंखार सरगना (गैंगस्टर) के रूप में पहचान हुई जिस पर राजस्थान और गुजरात में 19 जघन्य मामले थे। श्री भामेर के इस वीरतापूर्ण कार्य से उनकी जान-माल की रक्षा हुई और इसके परिणामस्वरूप एक खूंखार अपराधी का सफाया हो गया। उनका यह कार्य लोगों के लिए प्रेरणास्रोत बना।

श्री भामेर ने असहाय स्थिति में असाधारण बहादुरी का परिचय देते हुए खूंखार लुटेरों का सामना किया और उन पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया।

26. 4002983 सिपाही जतिन्दर सिंह  
डोगरा रेजिमेंट/11 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरान्त)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 01 अगस्त, 2006)

01 अगस्त, 2006 को किस्तवाड़ (जम्मू और कश्मीर) जिले के एक क्षेत्र में आतंकवादियों की उपस्थिति के बारे में एक खास सूचना के आधार पर 2100 बजे एक आपरेशन चलाया गया और संदिग्ध घरों के आसपास नाके लगाए गए। सिपाही जतिन्दर सिंह आपरेशन में शामिल दल के सदस्य थे।

जब यह दल खोजबीन शुरू करने के लिए संदिग्ध घरों में पहुंचा तो अचानक, एक घर के अंदर से आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। इस भिड़ंत के दौरान दो आतंकवादी अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए घर से बाहर भागे। सिपाही जतिन्दर सिंह ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल भी चिन्ता न करते हुए भागते हुए आतंकवादियों की ओर प्रतिशोध लेने के लिए निडरतापूर्वक धावा बोल दिया। सिपाही जतिन्दर सिंह आतंकवादियों के साथ हुई आपसी गोलीबारी के दौरान घायल हो गए। अपनी गंभीर चोट और लगातार खून बहने की परवाह न करते हुए सिपाही जतिन्दर सिंह ने निरंतर प्रचण्ड मुकाबला किया जिसमें दोनों आतंकवादियों का सफाया हो गया।

सिपाही जतिन्दर सिंह ने अनुकरणीय साहस, दृढ़ प्रतिज्ञा और अत्यधिक विपरीत परिस्थितियों में उत्कृष्ट बहादुरी का परिचय दिया और भारतीय सेना की सर्वोच्च परंपराओं के अनुरूप अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

27. 4573865 सिपाही सतनाम सिंह  
महार रेजिमेंट/30 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरान्त)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 12 अगस्त, 2006)

12 अगस्त, 2006 को उत्तरी क्षेत्र के एक गांव में एक विशेष घर की खोज के दौरान सैन्य टुकड़ियां अचानक घर के अन्दर एक छिपने के स्थान से आतंकवादियों द्वारा अचानक की गई भारी गोलीबारी की चपेट में आ गई। यह भांपते हुए कि अपने साथियों की सुरक्षा जोखिम में है, सिपाही सतनाम सिंह ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल भी चिन्ता

न करते हुए, अंधाधुंध गोलीबारी के बीच रेंगते हुए और छिपने के ठिकाने को नष्ट करने के लिए विध्वंसक धावा बोल दिया। विध्वंसक धावा करने के बाद वे घातक रूप से घायल हो गए और बाद में चोटों के कारण वीरगति को प्राप्त हो गए। सेना की वास्तविक परम्पराओं के अनुरूप इस वीरतापूर्ण कार्य के परिणामस्वरूप विदेशी मूल के तीन दुर्दान्त आतंकवादियों का सफाया हो गया।

सिपाही सतनाम सिंह ने दृढ़ निश्चय और असाधारण बहादुरी का परिचय दिया और आतंकवादियों के साथ लड़ते हुए राष्ट्र के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

28. आई सी-55955 मेजर नवीन बिन्दल  
सेना वायु रक्षा/58 राष्ट्रीय राइफल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 17 अगस्त, 2006)

मेजर नवीन बिन्दल 17 अगस्त, 2006 को 1245 बजे गठित एक त्वरित कार्रवाई दल की अगुवाई कर रहे थे जिसे आतंकवादियों, जिनकी जम्मू-कश्मीर के जनरल एरिया में एक ढोक में छिपे होने की संभावना थी, की तलाश करनी थी। इस अफसर की अगुवाई में चुपके से इनकी पार्टी रास्तों से हटकर घनी झाड़ियों तथा घुमावदार खेतों के बीच से होते हुए लक्षित क्षेत्र के लिए चल पड़ी तथा लक्षित ढोक के निकट पहुंची। इन्होंने अपनी पार्टी को दो समूहों में तैनात किया, एक को लक्षित ढोक के ऊपर तथा दूसरे को उसके नीचे तैनात किया। जब निचली पार्टी लक्षित ढोक से 250 मीटर की दूरी पर थी, आतंकवादी बाहर निकले तथा अन्दर बैरल ग्रेनेड लांचर से दो चक्र ग्रेनेड दागे और चोटी की ओर भाग निकलने की कोशिश करने लगे। आतंकवादियों की गोलीबारी की परवाह न करते हुए यह अफसर उनसे भिड़ गए तथा अडिग धैर्य और अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन करते हुए इन्होंने दो आतंकवादियों को मार गिराया। ये फिर से तुरन्त सावधान हुए तथा दूसरी पार्टी को पुनः तैनात किया जिसके परिणामस्वरूप तीसरे आतंकवादी का सफाया हुआ।

मेजर नवीन बिन्दल ने सम्पूर्ण ऑपरेशन के संचालन में अदम्य साहस, उच्च रणनीतिक कुशाग्रता, धैर्य तथा परिपक्वता का परिचय दिया।

29. जे सी-307557 नायब सूबेदार मारीआप्रगासम एन्थोनी क्रुज  
201 इन्जीनियर रेजिमेंट (मरणोपरान्त)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 19 अगस्त, 2006)

नायब सूबेदार मारीआप्रगासम एन्थोनी क्रुज को राजस्थान के पाली जिले में बाढ़ राहत कार्य बल के अफसर इंचार्ज के रूप में तैनात किया गया था जिसे बाढ़ राहत ऑपरेशनों में सिविल प्रशासन की सहायता करनी थी। 19 अगस्त, 2006 को उनके कार्य बल को खारी नदी के मध्य कार में फंसे पांच नागरिकों को बचाने का कार्य सौंपा गया था। अत्यधिक जोशीले तथा तेजस्वी जे सी ओ ने उफनती नदी से नागरिकों को बचाने के चुनौतीपूर्ण और खतरनाक कार्य को स्वेच्छ से करना चाहा। अपने साथी के साथ उन्होंने नागरिकों के पास पहुंचने का साहसिक प्रयास किया। तथापि, जलधारा के अचानक बढ़ जाने के कारण वे अपने साथी के साथ बह गए। प्रशंसनीय सूझबूझ तथा धैर्य का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने तुरन्त अपने साथी को निकटवर्ती झाड़ियों की ओर सुरक्षित धकेल दिया। तथापि, वे अपने आप को नहीं निकाल सके और उनका शव 40 कि.मी. दूर मिला।

नायब सूबेदार मारीआप्रगासम एन्थोनी क्रुज ने उच्चतम कोटि की वीरता के उत्कृष्ट कार्य, अनुकरणीय कर्तव्यपरायणता, समर्पण-भाव तथा नागरिकों को बचाने के प्रयास में व्यक्तिगत सुरक्षा की कतई परवाह नहीं की।

30. आई सी-62781 कैप्टन अजी एन्थोनी

राजपूताना राइफल/57 राष्ट्रीय राइफल (मरणोपरान्त)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 03 सितम्बर, 2006)

03 सितम्बर, 2006 को कैप्टन अजी एन्थोनी एक पार्टी की कमान संभाल रहे थे जिसने जम्मू-कश्मीर के बांदीपुर गांव के एक घर की घेराबंदी करनी थी। लगभग 1800 बजे एक घर की तलाशी करते समय, कैप्टन अजी एन्थोनी की पार्टी भारी गोलीबारी की चपेट में आ गई तथा यह दो भागों में बंट गई। यह देखकर कि उनकी पार्टी पर भारी गोलीबारी हो गई, व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल परवाह किए बिना यह अफसर, अपने साथी के साथ आतंकवादियों को दबोचने के लिए घर की ओर दौड़ पड़े। कैप्टन अजी एन्थोनी तथा आतंकवादियों के बीच भारी गोलीबारी हुई। इस प्रकार शुरू हुई बिल्कुल नजदीकी लड़ाई के दौरान कैप्टन अजी एन्थोनी गम्भीर रूप से घायल हो गए। गम्भीर रूप से घायल होने के बावजूद, इस बहादुर अफसर ने अपने धावों के कारण वीरगति को प्राप्त होने से पहले एक आतंकवादी को मार गिराया।

कैप्टन अजी एन्थोनी ने आतंकवादियों के विरुद्ध लड़ते हुए कर्तव्य-परायणता, बहादुरी, साहस तथा सर्वोच्च दर्जे की पहलशक्ति का परिचय दिया।

31. 9107816 राइफलमैन जाहिद अब्बास मीर

5 जम्मू और कश्मीर लाइट इन्फैंट्री (मरणोपरान्त)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 07 अक्टूबर, 2006)

राइफलमैन जाहिद अब्बास मीर, जम्मू और कश्मीर के गुरेज सेक्टर में 07 अक्टूबर, 2006 की रात को एक आपरेशन में खोजी दल के दल कमांडर के साथी थे। दल कमांडर ने राइफलमैन जाहिद अब्बास मीर को अपने साथ रहने के लिए कहा जबकि दल के अन्य सदस्यों को कवर्गिंग फायर देने का कार्य सौंपा गया। उपलब्ध आड़ का बेहतर उपयोग करते हुए वे आतंकवादियों के नजदीक पहुंचे। अचानक दो आतंकवादी वहां कूदकर सामने आ गए और उनका कमांडर गंभीर रूप से घायल हो गया। ठीक उसी समय, एक और आतंकवादी ने राइफलमैन जाहिद अब्बास मीर पर गोलीबारी करते हुए उन्हें घायल कर दिया। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद अपनी सुरक्षा की बिल्कुल भी चिन्ता न करते हुए वे तेजी से आतंकवादी पर टूट पड़े और आमने-सामने की भीषण लड़ाई में चोटों के कारण वीरगति को प्राप्त होने से पूर्व उन्होंने आतंकवादी को मार गिराया। इस आपरेशन में कुल चार आतंकवादी मारे गए और बड़ी मात्रा में हथियार और गोलाबारूद बरामद हुआ।

राइफलमैन जाहिद अब्बास मीर ने शत्रु की गोलीबारी का सामना करते हुए असाधारण वीरता, सूझबूझ, तत्परता, धैर्य, पक्के इरादे का परिचय दिया और सर्वोच्च बलिदान दिया।

बरूण मित्रा

संयुक्त सचिव (सी.ए.)

वस्त्र मंत्रालय  
विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय  
नई दिल्ली-110066, दिनांक 14 फरवरी 2007

## संकल्प

सं. के-12012/5/16/2006-पी एण्ड आर—अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड का पुनर्गठन, दिनांक 8 सितम्बर, 2006 के समसंख्यक संकल्प के तहत 2 वर्ष की अवधि के लिए किया गया था। भारत सरकार ने निम्नलिखित अभ्यर्थियों को नये गैर-सरकारी सदस्यों के रूप में अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड में शामिल करने का निर्णय लिया है जबकि 8 सितम्बर, 2006, 23 अक्तूबर, 2006, 22 एवं 27 नवम्बर, 2006, 5 एवं 12 दिसम्बर, 2006, 21 एवं 22 दिसम्बर, 2006, 5 एवं 10 जनवरी, 2007, एवं 1 फरवरी, 2007 के संकल्प के तहत गठित मौजूदा अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड के सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी सदस्य यथावत बने रहेंगे :

1. श्री प्रदीप देसवाल,  
गांव एवं पो. दुल्हेड़ा,  
तहसील बहादुरगढ़,  
जिला झज्जर (हरियाणा)
2. श्रीमती हिनाबेन हर्षभाई पटेल,  
1090, स्वास्तिक सोसायटी,  
डीएसपी कार्यालय के सामने  
सैक्टर-27, गांधीनगर-382017
3. सुश्री सविताबेन अमरुतलाल मकवाना,  
बबूभाई हवेली के सामने, खोखरा गाम,  
खोखरा मेहमदाबाद,  
अहमदाबाद-380008
4. सुश्री जयश्रीबेन वीनूभाई शाह,  
2-राजवैभव अपार्टमेंट, सुदामा रिसोर्ट के पीछे  
प्रीतमनगर, एलिसब्रिज,  
अहमदाबाद-380006
5. सुश्री नैयनाबेन हर्षदभाई शाह,  
बी-5, संकेत फ्लैट, गलैक्सी रोड,  
नरोदा-एन, हाईवे नं. 8,  
अहमदाबाद-382330
6. सुश्री नैयनाबेन भरतभाई दवे,  
बी-28, पर्य सारथी टॉवर,  
7वीं मंजिल, गुलाब टॉवर के पास,  
थलतेज-अहमदाबाद

7. सुश्री उषाबेन प्रवीणचन्द्र पुरोहित,  
5/2-सूर्यनारायण सोसायटी,  
सैक्टर-25, गांधीनगर-382025
8. श्री हैप्पी भागसिंह अरोड़ा,  
12 पहलगाम बंगला, जजेज बंगला रोड,  
बोदकदेव-स्टेलाइट,  
अहमदाबाद
9. सुश्री गीताबेन मयंकभाई भवसार,  
कुंवा वाली फली, पो. अस्तरसुंबा,  
ब्लॉक कापडवंज, जिला खेदा,  
गुजरात
10. श्री ब्रिजेन्द्र सोंकर,  
105/12, जूहीलाल कालोनी,  
थाना किदवई नगर,  
कानपुर (उत्तर प्रदेश)

पुनर्गठित अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड में अध्यक्ष, सदस्य सचिव सहित 24 सरकारी सदस्यों तथा 46 गैर सरकारी सदस्यों को शामिल करते हुए बोर्ड की वर्तमान संख्या 71 सदस्य हो जाएगी।

तथापि, दिनांक 8 सितम्बर, 2006 के संकल्प में दर्ज अन्य सभी निबंधन एवं शर्तें वही रहेंगी तथा उनमें कोई परिवर्तन नहीं होगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी संबंधितों को प्रेषित की जाए तथा इसे भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

डॉ. संदीप श्रीवास्तव  
अपर विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय  
(उच्चतर शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 2007

सं. 3-1/2007-यू.3--भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की नियमावली के नियम 13 के साथ पठित नियम-3 में उल्लिखित उपबंधों के अनुसरण में केन्द्र सरकार प्रो. सब्यसाची भट्टाचार्य को तीन वर्ष की अवधि के लिए भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली का अध्यक्ष नियुक्त करती है। उनकी नियुक्ति उनके द्वारा परिषद के अध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी होगी।

सुनिल कुमार  
संयुक्त सचिव

## PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th January 2007

No. 79-Pres/2007—The President is pleased to approve the award of the "Param Vishisht Seva Medal" to the undermentioned personnel for distinguished service of the most exceptional order:—

1. IC-17239 Lt General Bachittar Singh Dhaliwal, AVSM, VSM, Corps of Engineers
2. IC-17565 Lt General Aditya Singh, AVSM\*, Armoured Corps
3. IC-17587 Lt General Balbir Singh, VSM\*, Infantry (Retired)
4. IC-17622 Lt General Deepak Kapoor, AVSM, SM, VSM, Regiment of Artillery
5. IC-17631 Lt General Ashok Vasudeva, AVSM, VSM, Regiment of Artillery
6. IC-17644 Lt General Daljeet Singh, AVSM, VSM, Armoured Corps
7. IC-17759 Lt General Devinder Dayal Singh Sandhu, Army Ordnance Corps
8. IC-19038 Lt General Kantamneni Sudhakar Rao, SC, SM, Corps of Engineers
9. IC-19393 Lt General Kunwar Daulat Singh Shekhawat, VSM, Armoured Corps
10. IC-19410 Lt General Mohan, Pande, VSM, Infantry
11. IC-19510 Lt General Chander Bhan Vijan, Regiment of Artillery
12. IC-19550 Lt General Randhir Kumar Mehta, AVSM, YSM, VSM, Infantry
13. IC-19845 Lt General Dilip Nemajirao Desai, AVSM, VSM, Armoured Corps
14. IC-19853 Lt General Arvind Mahajan, AVSM, VSM\*, Corps of Electronic and Mechanical Engineers
15. IC-24465 Lt General Ashok Kumar Saini, AVSM, SM, Corps of Engineers
16. IC-24528 Lt General Utpal Bhattacharyya, AVSM, Corps of Engineers
17. IC-26838 Lt General Satyevir Yadav, UYSM, AVSM, Infantry
18. MR-03158 Lt General Luxhmi Prakash Sadhotra, AVSM, PHS, Army Medical Corps
19. DR-10267 Lt General Paramjit Singh, AVSM, VSM\*, Army Dental Corps
20. Vice Admiral Jagjit Singh Bedi, UYSM, AVSM, VSM (01022-A)
21. Surgeon Vice Admiral Punita Arora, SM, VSM, PHS (75894-K) (Retired)

22. Air Marshal Pramod Kumar Mehra, AVSM, VM (11581), Flying (Pilot)
23. Air Marshal Bhushan Nilkant Gokhale, AVSM, VM (11630), Flying (Pilot)
24. Air Marshal Padamjit Singh Ahluwalia, AVSM & Bar, VM, VSM (11631), Flying (Pilot)
25. Air Marshal Arvind Kumar Nagalia, AVSM, VM, VSM (11633), Flying (Pilot)
26. Air Marshal Kirti Shekhar Chaturvedi, VSM (12100), Aeronautical Engineering (Electronics)
27. Air Marshal Balatikalandra Uthaiah Chengappa, AVSM, VSM (12112), Aeronautical Engineering (Electronics) (Retired)

BARUN MITRA  
Jt. Secy. (CA)

No. 80-Pres/2007—The President is pleased to approve the award "Bar to Ati Vishisht Seva Medal" to IC-19868 Lt General Sarabjit Singh Dhillon, AVSM, VSM, Infantry/HQ 15 Corps for distinguished service of an exceptional order.

BARUN MITRA  
Jt. Secy. (CA)

No. 81-Pres/2007—The President is pleased to approve the award of the "Ati Vishisht Seva Medal" to the undermentioned personnel for distinguished service of an exceptional order:—

1. IC-19077 Lt General Milan Lalitkumar Naidu, YSM, Infantry/Army War College
2. IC-19931 Lt General Pitamber Kishore Rampal, Infantry/HQ 9 Corps
3. IC-23011 Lt General Isaac John Koshy, Regiment of Artillery
4. IC-24194 Lt General Manbir Singh Dadwal, VSM, Infantry
5. IC-24255 Lt General Amar Nath Aul, UYSM, Infantry
6. MR-02753 Lt General Saibal Mukherjee, Army Medical Corps
7. IC-19506 Major General Pradeep Kumar Mahajan, Regiment of Artillery
8. IC-23375 Major General Kapileswar Prasad Dhal Samanta, VSM, Regiment of Artillery
9. IC-24219 Major General Ajay Kumar Singh Chande, Corps of Electronics and Mechanical Engineers
10. IC-24270 Major General Omit Sarkar, Armoured Corps
11. IC-24718 Major General Prem Krishan Goel, VSM, Regiment of Artillery

12. IC-24726 Major General Vinod Kumar Sharma, VSM, Corps of Engineers
13. IC-25126 Major General Rajinder Singh Sujlana, Infantry
14. IC-25135 Major General Vishnu Kant Chaturvedi, SM, Regiment of Artillery
15. IC-25448 Major General Prasant Kumar Rath, Regiment of Artillery
16. IC-25457 Major General Vijay Kumar Ahluwalia, YSM, VSM, Regiment of Artillery
17. IC-25538 Major General Rabindran Krishna Swamy, VSM, Infantry/HQ CIF (Delta)
18. IC-25757 Major General B Thambiah, Corps of Engineers/HQ Eastern Command
19. IC-25808 Major General Dushyant Singh Chauhan, Armoured Corps/HQ UB Area
20. IC-25816 Major General Bikram Singh, SM, VSM—Infantry/HQ 10 Infantry Division
21. IC-27026 Major General Prakash Menon, VSM, Infantry/HQ CIF (Victor)
22. IC-27530 Major General Shiv Kumar Sharma, Corps of Electronics & Mechanical Engineers
23. IC-28867 Major General Raj Kumar Sudan, Regiment of Army Air Defence
24. IC-29732 Major General Vijay Kumar Datta, SM\*, VSM\*, Infantry/HQ 25 Infantry Division
25. IC-32357 Major General Virender Kumar Bhutani, VSM—Intelligence Corps
26. IC-32460 Major General Sawant Chandrashekhar Dattatray, SM, Infantry
27. IC-32482 Major General Jaspaul Singh, SM, VSM\*, Intelligence Corps
28. IC-32550 Major General Raj Krishan Malhotra, VSM, Infantry
29. MR-02838 Major General Oomman Paul Mathew, SM, Army Medical Corps/Army Hospital (R&R)
30. DR-10270 Major General Surrinder Bhushan Sehajpal, VSM, Army Dental Corps/CMDC HQ Central Command
31. V-00321 Major General Narayan Mohanty, VSM, Remount and Veterinary Corps
32. MR-03044 Brigadier Naresh Kumar, VSM, Army Medical Corps
33. Vice Admiral Sushil Krishnan Nair, NM (01369-K)
34. Rear Admiral Dilip Deshpande, VSM (40385-H)
35. Rear Admiral Dalip Kumar Dewan (01396-Y)
36. Rear Admiral Devendra Kumar Joshi, YSM, NM, VSM (01507-Z)
37. Rear Admiral Ganesh Mahadevan, VSM (50344-T)
38. Rear Admiral Rabinder Kumar Dhowan, YSM (01563-A)
39. Rear Admiral Anil Kumar Chopra (01627-Y)
40. Rear Admiral Aroume Andre (70192-A)
41. Air Marshal Suresh Chand Mukul, VM, VSM (12930), Flying (Pilot)
42. Air Vice Marshal Venkataraman Ramamurthy Iyer (12939), Flying (Pilot)
43. Air Vice Marshal Sundaresan Swaminathan, VSM (13044), Aeronautical Engineering (Electronics)
44. Air Vice Marshal Jagjit Singh Gandyok, VSM (13216), Administration
45. Air Vice Marshal Navin Verma (13282), Aeronautical Engineering (Electronics)
46. Air Vice Marshal Dinesh Chandra Kumaria, VM, VSM (13366), Flying (Pilot)
47. Air Vice Marshal Madhusudan Banerjee, VM, VSM (13400), Flying (Pilot)
48. Air Commodore Keshav Gopal Bewoor, VM (13570), Flying (Pilot)
49. Air Commodore Atul Saikia, VM (13585), Flying (Pilot)
50. Air Commodore Trikandiyur Kollath Venugopal, VM (13598), Flying (Pilot)
51. Air Commodore Rajinder Singh, VM (13980), Flying (Pilot)
52. Air Commodore Pramod Kumar Roy, VM, VSM (14100), Flying Pilot

BARUN MITRA  
Jt. Secy. (CA)

No. 82-Pres/2007—The President is pleased to approve the award of the “Bar to Vishisht Seva Medal” to the undermentioned personnel for distinguished service of a high order:—

1. IC-19898 Major General Bertrand William Kelson, VSM, Regiment of Artillery/School of Artillery
2. MR-02670 Major General Munindra Srivastava, VSM, Army Medical Corps
3. IC-27314 Brigadier Anil Kumar Gulati, VSM, Armoured Corps
4. MR-03247 Brigadier Dipankar Ganguly, VSM, Army Medical Corps/Army Hospital (R&R)

BARUN MITRA  
Jt. Secy. (CA)

No. 83-Pres/2007—The President is pleased to approve the award of the “Vishisht Seva Medal” to the undermentioned personnel for distinguished service of a high order:—

1. IC-23791 Lt General Samer Pal Singh Dhillon, Regiment of Artillery/HQ Northern Command
2. IC-23266 Major General Gautam Dutt, Corps of Engineers
3. IC-23289 Major General Har Milap Singh, Armoured Corps
4. IC-23770 Major General Narsinh Shrikrishna Sapre, Regiment of Artillery/HQ South Western Command
5. IC-24210 Major General Kailash Chandra Mehta, Corps of Signals
6. IC-25056 Major General Inderjit Singh, Corps of Electronics and Mechanical Engineers
7. IC-25878 Major General Krishna Narsinha Mirji, Regiment of Artillery
8. IC-27146 Major General Uma Shankar Prasad Sinha, Corps of Engineers/HQ Training Command
9. IC-27548 Major General Kamal Kishore Upadhyaya, Corps of Signals
10. IC-29783 Major General Jogendra Singh Ghumman, Army Education Corps
11. IC-30248 Major General Rajinder Singh Jamwal, Corps of Electronics & Mechanical Engineers/MC EME
12. IC-32014 Major General Panicker MK Varghese, Infantry (Retired)
13. IC-32041 Major General Pakala Venkateswarlu, Army Air Defence/HQ Southern Command
14. TC-31538 Major General Veemathevar Sadasivam, Army Postal Service Corps
15. NR-14615 Major General Shashi Bala, Military Nursing Service
16. IC-24596 Brigadier Prabhat Kumar Saxena, Kumaon Regiment
17. IC-25594 Brigadier MA Devaiah, Brigade of the Guards/NCOs' Academy
18. IC-25814 Brigadier Madan Mohan Chaudhary, Sikh Regiment/HQ 26 Infantry Division
19. IC-25845 Brigadier Rajeev Kumar Gupta, Corps of Engineers
20. IC-25897 Brigadier William Isaaks, Regiment of Artillery/Officers Training Academy
21. IC-27623 Brigadier Narinder Singh Malik, Regiment of Artillery/HQ 51 Sub Area
22. IC-27682 Brigadier Upender Krishen Dhar, Rajputana Rifles/HQ Central Command
23. IC-27897 Brigadier Lalit Mohan Malhotra, Corps of Electronics and Mechanical Engineers
24. IC-27942 Brigadier Narendra Bahadur Singh, Corps of Electronics and Mechanical Engineers
25. IC-29685 Brigadier Jasbir Singh Dhillon, Corps of Electronics and Mechanical Engineers
26. IC-30076 Brigadier Sathish Chandra Nair, Rajput Regiment
27. IC-30089 Brigadier Narendra Singh, SM, Maratha Light Infantry
28. IC-30322 Brigadier Yeggina Vishnu Mohan, Corps of Electronics and Mechanical Engineers
29. IC-30383 Brigadier Tillu Singh Dhillon, Brigade of the Guards/HQ CIF (Romeo)
30. IC-30571 Brigadier Rajeev Datt, Corps of Engineers
31. IC-30780 Brigadier Satyendra Dixit, Regiment of Artillery/HQ 28 Artillery Brigade
32. IC-31797 Brigadier Kallappa Sangappa Kumbar, Madras Regiment/HQ 36 Sector
33. IC-31917 Brigadier Surinder Mohan Mehta, SM, Corps of Electronics and Mechanical Engineers/HQ 15 Corps
34. IC-33034 Brigadier Shankar Prasad Menon, Regiment of Artillery/HQ 61 (I) Sub Area
35. IC-33076 Brigadier Preetam Singh Charak, Armoured Corps/Headquarter Southern Command
36. IC-33235 Brigadier Deepinder Singh, Armoured Corps/Headquarter 1 Corps
37. IC-33238 Brigadier Gopal Singh Taragi, Rajput Regiment/HQ Northern Command
38. IC-33241 Brigadier Bhupindra Pal Singh Hundal, Army Ordnance Corps/HQ 15 Corps
39. IC-33474 Brigadier Om Parkash Singh Pathania, Madras Regt/HQ South Western Command
40. IC-33520 Brigadier Kishan Singh, 9 Gorkha Rifles/HQ 12 Corps
41. IC-34437 Brigadier (DR.) Shiv Darshan Dutta, Jag's Department/HQ Central Command
42. IC-34670 Brigadier Balwinder Singh, Corps of Engineers/Headquarter 16 Corps
43. IC-34755 Brigadier Chavan Vijay Kumar Keru, Intelligence Corps
44. IC-35376 Brigadier Gautam Deb, Intelligence Corps/HQ Eastern Command
45. MR-02986 Brigadier Karan Vir Singh Rana, Army Medical Corps/Headquarter 15 Corps
46. MR-03440 Brigadier Avtar Singh Bath, SM, Army Medical Corps/Command Hospital HQ Northern Command

47. IC-35137 Colonel Pattiarimal Mohamadali Hariz, Mechanised Infantry
48. IC-35226 Colonel Kocherlakota Gopala Krishna, Grenadiers
49. IC-35472 Colonel Madhawa Nand Bughani, SM, Jammu & Kashmir Rifles
50. IC-35480 Colonel Surinder Singh, Jammu and Kashmir Rifles
51. IC-35521 Colonel Sanjaya Saran, YSM, Regiment of Artillery
52. IC-37594 Colonel Harpal Singh, Regiment of Artillery
53. IC-38183 Colonel Gurmukh Singh, Corps of Electronics & Mechanical Engineers
54. IC-38403 Colonel Shokin Chauhan, 11 Gorkha Rifles
55. IC-38645 Colonel Ajay Sah, SM, Garhwal Rifles
56. IC-38656 Colonel Stephen Jude Gracias, Corps of Engineers
57. IC-38753 Colonel Jaswinder Singh Sandhu, 5 Gorkha Rifles (FF)/HQ Northern Command
58. IC-39084 Colonel Lav Bikram Chand, Corps of Signals
59. IC-39522 Colonel Jaiveer Singh Negi, Dogra Regiment
60. IC-39656 Colonel Dinesh Sharma, Gorkha Rifles
61. IC-40064 Colonel Vishwas Chandrakant Chitre, Regiment of Artillery/HQ Northern Command
62. IC-40312 Colonel Ali Adil Mahmoor, Armoured Corps/The President's Body Guard
63. IC-41573 Colonel Prabir Sengupta, 6 Assam Regiment
64. IC-41580 Colonel Prabhjot Singh Mangat, 103 Engineer Regiment
65. IC-42421 Colonel Jose Peter, Intelligence Corps/567 Int and FS Unit
66. IC-43294 Colonel Arun Kumar Pandey, Jat Regiment/5 Rashtriya Rifles
67. IC-43388 Colonel Mahesh Kumar Singh, Mahar Regiment/51 Rashtriya Rifles
68. MR-03690 Colonel Ravindra Katoch, Army Medical Corps/Command Hospital, HQ Northern Command
69. MR-04126 Colonel Kuldip Raj Salgotra, Army Medical Corps/166 Military Hospital
70. IRLA-186340237 Commandant Jatinder Singh Oberoi, Para Military Force/153 Bn Border Security Force
71. MR-05441 Lt Colonel Jitendra Kumar Singh Parihar, SM, Army Medical Corps/Command Hospital, HQ Eastern Command
72. MR-05774 Lt Colonel Binod Kumar Sharma, Army Medical Corps/92 Base Hospital
73. JC-306815 Subedar Anil Kumar P, Corps of Engineers/Madras Engineer Group and Centre
74. Commodore Bhaskar Ranjan Sen (01420-A)
75. Commodore Vasudevan Balakrishnan Iyer (50536-B)
76. Commodore Abraham Thachet Lucose (01634-N)
77. Commodore Ranveer Singh, NM (01708-F)
78. Commodore Philip Edmund Vanhaltren (01698-H)
79. Commodore Kurumanghat Ramachandran Nair (50575-T)
80. Commodore Dilip P Kulkarni (01825-Y)
81. Commodore Samir Saran Lal (40743-Y)
82. Commodore Rajesh Kumar Wazalwar (40758-F)
83. Surgeon Commodore Bhagirath Singh Rathore (75849-H)
84. Commodore Raghuveer M Purandare (02072-H)
85. Captain Kedambadi Satish Aiyappa (02034-Y)
86. Captain Dinesh Mukund Deshpande (40844-A)
87. Captain Venugopal Bharadwaj (40904-N)
88. Captain Skand Kumar Pujari (50769-H)
89. Surgeon Captain John D' Souza (75237-T)
90. Captain Prodyut Kumar Banerjee (02649-W)
91. Captain A Venugopal (02822-N)
92. Commander Kumawat Yashwant (03054-R)
93. Swapan Kumar Roy, MCPOAOF-I (203524-F)
94. Air Commodore Kevin Fernandez (12660) Medical
95. Air Commodore Karunakaran Nair Velayudhan Nair, (13082) Administration
96. Air Commodore Pankaj Mehrotra (13316) Aeronautical Engineering (Mechanical)
97. Air Commodore Prashid Basu (13828) Aeronautical Engineering (Electronics)
98. Air Commodore Ramesh Goyal (14567), Flying (Pilot)
99. Group Captain Asit Kumar Adhikari (13889) Administration/Air Traffic Controller
100. Group Captain Pramod Shankarrao Shinde (14784), Aeronautical Engineering (Mechanical)
101. Group Captain Jagjeet Singh (14814), Aeronautical Engineering (Electronics)

102. Group Captain Gurudev Lingayya Hiremath (14947), Administration
103. Group Captain Anup Kumar Patnaik (15295), Aeronautical Engineering (Electronics)
104. Group Captain Yugal Kishore Negi (15351), Logistics
105. Group Captain Divakar Paul Upot (15544), Flying (Pilot)
106. Group Captain Prabir Chakraborty (15632), Aeronautical Engineering (Electronics)
107. Group Captain Ravinder Sharma (15646), Aeronautical Engineering (Mechanical)
108. Group Captain Shirish Baban Deo, VM (15681), Flying (Pilot)
109. Group Captain Sudhanshu Rath (15726), Flying (Pilot)
110. Group Captain Chandalingappa Sannachandappa Havaladar (16256), Administration/Air Traffic Controller
111. Group Captain Archan Kumar Bhattacharya (16322), Aeronautical Engineering (Mechanical)
112. Group Captain Gedela Raveendranath (16985), Flying (Pilot)
113. Group Captain Diptendu Choudhury (17335), Flying (Pilot)
114. Group Captain Devi Prasad Pani (16428), Administration/Fighter Controller
115. Group Captain Ashok Kumar Sharma (16460), Accounts
116. Group Captain Anup Kumar Varshneya (17077), Education/Para Jump Instructor
117. Wing Commander Ravi Sharma (17785), Logistics
118. Wing Commander Pankaj Mohan Sinha (17842), Flying (Pilot)
119. Wing Commander Subramanian Sundar Rajan (17848), Flying (Pilot)
120. 293603 Master Warrant Officer Rajinder, Flight Gunner
121. 616153 Master Warrant Officer Raghubir Singh Paul, Mechanical Transport Driver/Para Jump Instructor
122. GO-01254K, Deputy Chief Medical Officer, (Selection Grade) Oneil Kumar Panda
123. GO-2457A Senior Administration Officer Bharat Bhushan Sharma

BARUN MITRA  
Jt. Secy. (CA)

No. 84-Pres/2007—The President is pleased to approve the award of the “Bar to Sena Medal/Army Medal” to the undermentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. IC-53272 Major Jagannath Nisonko, SM, Corps of Engineers/10 Rashtriya Rifles
2. IC-57132 Major Peeyush Vyas, SM, 4 Gorkha Rifles/15 Rashtriya Rifles
3. SS-38657 Major Uday Ganpatrao Jarande, SM, Regiment of Artillery/4 Assam Rifles
4. JC-449468 Subedar Sant Kumar, SM, Grenadiers/39 Rashtriya Rifles

BARUN MITRA  
Jt. Secy. (CA)

No. 85-Pres/2007—The President is pleased to approve the award of the “Sena Medal/Army Medal” to the undermentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. IC-49062 Colonel Saroj Kumar Singh, 20 Jammu and Kashmir Rifles
2. IC-46313 Lt Colonel Shailendra Solankey, 14 Grenadiers
3. IC-48258 Lt Colonel Vinod Balakrishna Shrikhande, Maratha Light Infantry/56 Rashtriya Rifles
4. IC-56242 Major Aibanjop Sooting, Kumaon Regiment/13 Rashtriya Rifles
5. IC-56701 Major Yadvinder Singh Parmar, Punjab Regiment/22 Rashtriya Rifles
6. IC-56972 Major Anil Kumar Joshi, Dogra Regiment/11 Rashtriya Rifles
7. IC-57180 Major P Shyam Sundar, Madras Regiment/38 Rashtriya Rifles (Posthumous)
8. IC-58191 Major Vikram Dahiya, Corps of Electronic and Mechanical Engineers/13 Rashtriya Rifles
9. IC-58238 Major Manish Karki, Rajput Regiment/10 Rashtriya Rifles
10. IC-59117 Major Suman Majumder, 3 Parachute Regiment (Special Force)
11. IC-59711 Major Vikesh Kumar, Regt of Artillery/9 Parachute Field Regt
12. IC-59713 Major Vipul Harsh, Regiment of Artillery/34 Assam Rifles
13. IC-59853 Major Krishna Siddu Belkud, 16 Grenadiers
14. IC-60141 Major Mukund MG, Sikh Regiment/14 Assam Rifles

15. IC-60666 Major Kamaldeep Singh Salaria, Maratha Light Infantry/56 Rashtriya Rifles
16. IC-62274 Major Javed Ali Khan, 22 Maratha Light Infantry
17. IC-62476 Major Tushar Garg, Corps of Signals/42 Rashtriya Rifles
18. IC-62477 Major Shiv Shankar Singh Hazari, Corps of Engineers/14 Assam Rifles
19. IC-64823 Major Jagdeep Singh Kapur, Mechanised Infantry/9 Rashtriya Rifles
20. IC-64933 Major Girish Parthan, Brigade of the Guards/32 Assam Rifles
21. IC-65048 Major Narender Prasad, Punjab Regiment/3 (NH) Bn Assam Rifles
22. SS-39887 Major Gaurav Bali, Regiment of Artillery/56 Rashtriya Rifles
23. IC-62957 Captain Raj Singh Duhan, Corps of Electronic and Mechanical Engineers/22 Rashtriya Rifles
24. IC-63104 Captain Bimlesh Kumar, 1 Naga Regiment
25. IC-65180 Captain Preet Singh, Corps of Engineers/7 Rashtriya Rifles
26. SS-40467 Captain Mohiteshwar Thakur, 23 Rajput Regiment
27. IC-64539 Lt Vishal Chopra, 21 Parachute Regiment (Special Force)
28. AR-00217 Assistant Commandant Chatter Singh, 45 Assam Rifles
29. JC-479218 Subedar Brij Mohan Singh, 26 Rajput Regiment (Posthumous)
30. JC-634312 Subedar Man Bahadur Gurung, 1/11 Gorkha Rifles
31. JC-429550 Naib Subedar Manjit Singh, Punjab Regiment/7 Rashtriya Rifles
32. JC-529583 Naib Subedar Khushal Singh, Garhwal Rifles/14 Rashtriya Rifles
33. 1481848 Havildar Darbar Singh, Corps of Engineers/62 Rashtriya Rifles
34. 4184805 Havildar Harish Chander Singh, 19 Kumaon Regiment
35. 9923783 Havildar Tsering Angchok, 9 Parachute Regiment (Special Forces)
36. G/143696 Havildar Ram Bahadur Chhetri, 14 Assam Rifles
37. 13618060 Havildar Daya Kishan Joshi, 3 Parachute Regiment (Special Force)
38. 14382419 Havildar Gurmit Singh, Army Air Defence/38 Rashtriya Rifles
39. 121804B Leading Seaman Rabindra Kumar Sahoo, Indian Navy/15 Rashtriya Rifles
40. 2600508 Naik Sanjay Pujeri, Madras Regiment/38 Rashtriya Rifles
41. 2689306 Naik Rajendra Singh, 14 Grenadiers (Posthumous)
42. 2888932 Naik Rajendra Kumar, Rajputana Rifles/9 Rashtriya Rifles
43. 2994883 Naik Sita Ram Raghuwansi, 26 Rajput Regiment (Posthumous)
44. 3396662 Naik Rachhpal Singh, 16 Sikh Regiment
45. 3991799 Naik Rajesh Kumar, Dogra Regiment/62 Rashtriya Rifles
46. 3993380 Naik Puran Singh, Dogra Regiment/62 Rashtriya Rifles
47. 4075794 Naik Man Singh Gusain, Garhwal Rifles/14 Rashtriya Rifles
48. 14703240 Naik Govind Singh, 1 Naga Regiment
49. 15124362 Naik Bipin Kumar Singh, Regiment of Artillery/62 Rashtriya Rifles
50. 3197872 Sepoy Amit Kumar, Jat Regiment/34 Rashtriya Rifles
51. 3404855 Sepoy Gurjant Singh, 16 Sikh Regiment
52. 3999450 Sepoy Sandya Kumar, Dogra Regiment/62 Rashtriya Rifles
53. 3999605 Sepoy Bali Ram, 17 Dogra Regiment
54. 4002533 Sepoy Sunil Kumar, Dogra Regiment/62 Rashtriya Rifles
55. 4279772 Sepoy Prem Kumar Roushan, Bihar Regiment/24 Rashtriya Rifles
56. 4280038 Sepoy Dilip Besra, Bihar Regiment/24 Rashtriya Rifles (Posthumous)
57. 4368234 Sepoy Binoy Kumar Roy, Assam Regiment/42 Rashtriya Rifles
58. 4572338 Sepoy Durgesh Kumar, Mahar Regiment/30 Rashtriya Rifles
59. 10525632 Sepoy Abdul Qayoum, 153 Infantry Battalion (TA) Dogra
60. 12944559 Sepoy Tilak Raj, 159 Infantry Battalion (TA) Dogra
61. 2896406 Rifleman Mukesh Kumar, Rajputana Rifles/57 Rashtriya Rifles (Posthumous)
62. 2896507 Rifleman Ravindra Kumar, Rajputana Rifles/9 Rashtriya Rifles

63. 2897779 Rifleman Satyavir Singh, Rajputana Rifles/9 Rashtriya Rifles
64. 4082598 Rifleman Manoj Singh Rawat, 18 Garhwal Rifles (Posthumous)
65. 9103417 Rifleman Parvaiz Ahmad Kumar, Jammu & Kashmir Light Infantry/62 Rashtriya Rifles
66. 12954140 Rifleman Bashir Ahmad Khan, 160 Infantry Battalion (TA) Jak Rif (Posthumous)
67. 15616599 Rifleman Rakesh Kumar Gupta, Brigade of the Guards/61 Rashtriya Rifles (Posthumous)
68. 16012580 Rifleman Liyakat Ali, Rajputana Rifles/9 Rashtriya Rifles
69. 16015546 Rifleman Sanjay Kumar, Rajputana Rifles/9 Rashtriya Rifles
70. G/5000581 Rifleman Rudevoyi Swuro, 14 Assam Rifles (Posthumous)
71. 15336433 Sapper Harpal Singh, Corps of Engineers/57 Rashtriya Rifles (Posthumous)
72. 13621674 Paratrooper Puran Singh, 3 Parachute Regiment (Special Force)
73. 13622654 Paratrooper Rakesh Chandra, 3 Parachute Regiment (Special Force)

BARUN MITRA  
Jt. Secy. (CA)

No. 86-Pres/2007—The President is pleased to approve the award of the “Bar to Sena Medal/Army Medal” to the undermentioned personnel for the acts of exceptional devotion to duty:—

1. IC-43682 Colonel Anil Kumar Samantara, SM, Madras Regiment/4 Assam Rifles
2. IC-43842 Colonel Manik Kumar Das, SM, 11 Jammu and Kashmir Light Infantry

BARUN MITRA  
Jt. Secy. (CA)

No. 87-Pres/2007—The President is pleased to approve the award of the “Sena Medal/Army Medal” to the undermentioned personnel for the acts of exceptional devotion to duty:—

1. IC-25466 Major General Govind Gopal Dwivedi, VSM\*, Infantry/HQ 57 MTN Div
2. IC-25825 Major General Chetinder Singh, VSM, Armoured Corps
3. IC-27971 Major General Sanjeev Loomba, Armoured Corps

4. IC-27236 Brigadier Surinder Singh Tonk, VSM, Grenadiers/HQ 31 Sub Area
5. IC-30997 Brigadier Ashwini Kumar Bakshi, VSM, Bihar Regiment/HQ 93 Inf Brigade
6. IC-31118 Brigadier Balvinder Singh Sachar, VSM, Punjab Regiment/HQ 9 Sector Rashtriya Rifles
7. IC-31638 Brigadier Om Prakash, Kumaon Regiment/HQ 102 Infantry Brigade
8. IC-31640 Brigadier Ramesh Kumar Rana, Rajputana Rifles/HQ 192 Mountain Brigade
9. IC-31658 Brigadier Uthiraman Mani Rajavelu, Rajputana Rifles/HQ 109 Inf BDE
10. IC-31680 Brigadier Mahabir Singh Patial, Punjab Regiment/HQ 163 Infantry Brigade
11. IC-31712 Brigadier Perumbilavil Shankaran Ravindranath, 1 Gorkhas Rifles/HQ 10 Sector Assam Rifles
12. IC-31736 Brigadier Rajiv Bhalla, Jat Regiment/HQ 121 (I) Infantry Brigade Group
13. IC-34001 Brigadier Rumel Dahiya, Kumaon Regiment/HQ 100 Mountain BDL
14. IC-34098 Brigadier Harminderjit Singh Sachdev, 1 Gorkha Rifles/HQ 2 Sector Rashtriya Rifles
15. IC-34687 Brigadier Surya Subbavadhanulu Dasaka, Corps of Engineers/HQ CE (P) Beacon
16. IC-35040 Brigadier Rakesh Mohan Mittal, Corps of Engineers/HQ A&N Zone
17. IC-36200 Brigadier Balbir Singh Pama, 3 Gorkha Rifles/HQ 161 Infantry Brigade
18. IC-36269 Brigadier Anil Singh Nandal, 5 Gorkha Rifles (FF)/HQ 1 Sector Rashtriya Rifles
19. IC-36276 Brigadier Surender Singh Rana, Regiment of Artillery/HQ 57 MTN Arty BDE
20. IC-36413 Brigadier Israel Arumy Raj, Grenadiers/HQ 11 Sector Rashtriya Rifles
21. IC-37877 Colonel Dinesh Sharma, Rajput Regiment/10 Rashtriya Rifles
22. IC-41911 Colonel Rajinder Pal Singh, 8 Jammu and Kashmir Rifles
23. IC-42046 Colonel Shivinder Singh, Grenadiers/39 Rashtriya Rifles
24. IC-42336 Colonel Ajai Kumar Singh, 1/11 Gorkha Rifles
25. IC-42780 Colonel Atul Kumar Singh, Grenadiers/12 Rashtriya Rifles
26. IC-42971 Colonel Rajinder Singh, Rajput Regiment/44 Rashtriya Rifles

27. IC-43331 Colonel Subhash Chander Panwar, 4 Sikh Regiment
28. IC-43547 Colonel Rajeev Kumar Singh, Kumaon Regiment/26 Rashtriya Rifles
29. IC-44261 Colonel Brij Gopal, Dogra Regiment/62 Rashtriya Rifles
30. IC-45193 Colonel Atul Kaushik, 4 Gorkha Rifles/15 Rashtriya Rifles
31. IC-45677 Colonel Sunil Kumar, 1 Naga Regiment
32. IC-47208 Colonel Ranjan Mahajan, Rajputana Rifles/9 Rashtriya Rifles
33. IC-47253 Colonel Gajendra Joshi, Garhwal Rifles/36 Rashtriya Rifles
34. IC-47351 Colonel Rajesh Tyagi, 4 Jat Regiment
35. IC-51412 Lt Colonel Bhamare Jayant Narvir, Corps of Engineers/53 Road Construction Company
36. MR-05644 Lt Colonel Surajit Basu, Army Medical Corps/Command Hospital (Northern Command)
37. NR-19890 Major Saroja Kumari, Army Medical Corps/Infantry School
38. JC-602444 Subedar Pemba Tamang, 1 Gorkha Rifles/Infantry School
39. JC-374572 Naib Subedar Nagendra Narayan Choudhary, Corps of Signals/11 Information Warfare Battalion (Posthumous)
40. JC-NYA-4003754 Naib Subedar Vijay Kumar, Dogra Regiment/Infantry School
41. 9924827 Rifleman Sonam Borjay, 5 Ladakh Scouts

BARUN MITRA  
Jt. Secy. (CA)

No. 88-Pres/2007—The President is pleased to approve the award of the “Yuddh Seva Medal” to Captain Rama Kant Pattanaik (01860-A) for distinguished service of a high order during hostilities.

BARUN MITRA  
Jt. Secy. (CA)

No. 89-Pres/2007—The President is pleased to approve the award of the “Nao Sena Medal/Navy Medal” to the undermentioned personnel for the acts of exceptional devotion to duty:—

1. Commodore Seebhavi Patel Ramesh Reddy, VSM (01358-K)
2. Commodore Sankaran Mampully, VSM (01748-Y)
3. Commodore Kollengode Sivaramakrishnan Subramanian (40674-R)

4. Surgeon Commodore Yash Pal Monga (75204-T)
5. Captain Suresh Balakrishnan (50705-N)
6. Captain Jaipal Singh Beniwal (02262-R)
7. Captain Satish Kumar N Ghormade (02671-W)
8. Captain (TS) Laishram Bimolchand Singh (01726-Y)
9. Commander Puruvir Das (03463-W)
10. Commander Abhijit V Joshi (03544-B)
11. Lt Commander Mohit Goel (41749-H)
12. Ram Kumar Jhagrolia, MCMECH(R) I (202047-Z)

BARUN MITRA  
Jt. Secy. (CA)

No. 90-Pres/2007—The President is pleased to approve the award of the “Vayu Sena Medal/Air Force Medal” to 688505 Sergeant Shivasharanappa Hanamant Patil, Electrical Fitter for the act of exceptional courage.

BARUN MITRA  
Jt. Secy. (CA)

No. 91-Pres/2007—The President is pleased to approve the award of the “Vayu Sena Medal/Air Force Medal” to the undermentioned personnel for the acts of exceptional devotion to duty:—

1. Air Commodore Gurdarshan Singh Joneja (13958) Medical
2. Group Captain Kulkarni Raghavendra (17161), Flying (Pilot)
3. Wing Commander Sunil Kumar Bhatia (17360), Flying (Pilot)
4. Wing Commander Eslin Paul D' Couto (17863), Flying (Pilot)
5. Wing Commander Shiv Ratan Singh (18083), Flying (Pilot)
6. Wing Commander Ajay Rathore (18258), Flying (Pilot)
7. Wing Commander Sanjeev Raj (18276), Flying (Pilot)
8. Wing Commander Balakrishnan Balachandran (18561), Flying (Pilot)
9. Wing Commander Kothapalli Venkata Rama Raju (18573), Flying (Pilot)
10. Wing Commander Ashutosh Lal (18785), Flying (Pilot)
11. Wing Commander Tejinder Singh (18806), Flying (Pilot)
12. Wing Commander Vishwajit Vasudaev Dedgaonkar (18813), Flying (Pilot)

13. Wing Commander Praveen Keshav Vohra (19162), Flying (Pilot)
14. Wing Commander Harpreet Singh Basra (19174), Flying (Pilot)
15. Wing Commander Jasbir Singh (22702), Flying (Pilot)

BARUN MITRA  
Jt. Secy. (CA)

No. 92-Pres/2007—The President is pleased to approve the award of the “Kirti Chakra” to the undermentioned persons for the acts of conspicuous gallantry:—

1. Shri Dharendra Nath Pratap Singh

Central Industrial Security Force (Posthumous)

(Effective date of the award : 09 February 2006)

On 9th February 2006, at a unit of National Mineral Development Cooperation Ltd. in an iron ore field of Baladila, Dantewada, Chhatisgarh, Shri Dharendra Nath Pratap Singh, Sub Inspector, Central Industrial Security Force was on duty with 8 personnel guarding the area including an Explosive store when a group of 500 Naxlites attacked the barrack shouting slogans and demanding fire arms.

Taking stock of the situation Shri Singh Started firing at them. The Naxlites retaliated with grenades and petrol bombs causing grievous injuries to many personnel. Without losing courage, Shri Singh continued to return fire. Meanwhile, the Naxlites managed to blast off the asbestos roof of the barrack using landmines. Despite the collapse of the roof of the barrack and serious injuries on his body, Shri Singh continued to confront the Naxlites and resisted their advances to capture the building. The Naxlites however blasted the barrack and capture the buildings. They asked Shri Singh to surrender, who however refused to lay down arms and continued the fight. He was then shot, in his left eye from point blank range.

Shri Singh showed exemplary courage and devotion to duty in adverse circumstances and made the supreme sacrifice in line with highest traditions of the Force.

2. 3392793 Havildar Manjit Singh

16 Sikh Regiment

(Effective date of the award : 29 June 2006)

On 29th June 2006, Havildar Manjit Singh was commanding an ambush comprising four other ranks at a Grid point in Northern sector. At approximately 1915 hours, movement of terrorists was observed near the Line of Control. The ambush was resited to cover the likely route of infiltration. Weather was bad and visibility was low. At midnight, Havildar Manjit Singh observed the movement of some terrorists near Anti Infiltration Obstacle System. He confirmed the movement with passive Night Sight and alerted his ambush.

Havildar Manjit Singh exercised strict fire control over the ambush and waited patiently for the infiltrating terrorists to come close. When the infiltrating terrorists came into killing ground he opened fire. The terrorists retaliated with heavy fire and tried to escape. Havildar Manjit Singh had laid improvised obstacles to trap the terrorists and killed five terrorists.

Havildar Manjit Singh displayed exemplary courage, personal bravery, tactical acumen and inspiring leadership while combating infiltrating terrorists.

3. IC-61562 Captain Vishal Bhandral

Garhwal Rifles/14 Rashtriya Rifles (Posthumous)

(Effective date of the award : 26 September 2006)

On receiving information about the presence of terrorists in an area in Jammu & Kashmir, a search operation was launched under Captain Vishal Bhandral on 26th September 2006. During search, at approximately 1200 hours, two terrorists charged out from a house firing indiscriminately. Showing utter disregard to his personal safety and displaying cool courage and quick reflexes under heavy fire, he closed in on them, opened fire and shot dead one terrorist at close range. The second terrorist jumped into a grove and started firing back. Seeing that the terrorists are likely to escape, Captain Vishal Bhandral displaying unparalleled raw courage, charged towards the hiding terrorists and lobbed a grenade. While attempting to close in, a burst from the terrorists severely wounded him. Unmindful of his own injury he leaped forward and killed the terrorist on the spot before making the supreme sacrifice.

Captain Vishal Bhandral displayed conspicuous gallantry, leadership and professional acumen in fighting the terrorists.

4. SS-41837 Lieutenant Natarajan Parthiban

5 Jammu and Kashmir Light Infantry (Posthumous)

(Effective date of the award : 07 October 2006)

On the night of 7th October 2006, Lieutenant Natarajan Parthiban, Post Commanded in Gurej Sector, Jammu & Kashmir received information that some heavily armed terrorists, in an attempt to cross the Line of Control were hiding in a nearby forest. He with his team rushed to the site and cordoned off the suspected area. He tasked his team to provide covering fire, he himself along with his buddy, closed in on the terrorists. Suddenly, two terrorists sprung up from behind the boulders and fired on him indiscriminately causing severe bullet injuries to him. Despite being wounded and unmindful of his personal safety, he charged on them and killed the two terrorists single-handedly in close combat before succumbing to his bullet injuries. Heavy quantity of arms and ammunition were recovered from the slain terrorists.

Lieutenant Natarajan Parthiban displayed conspicuous bravery, grit and devotion to duty of very high order in the face of hostile fire, and made the supreme sacrifice.

5. IC-54327 Major Manish Hiraji Pitambare3 Parachute Regiment (Special Forces) (Posthumous)

(Effective date of the award : 27 November 2006)

The presence of a terrorist was identified in a specific house in a village in Anantnag district in Jammu & Kashmir. The search operation for clearing rooms in a most professional manner was launched on 27th November 2006. During the initial fire-fight Major Pitambare's buddy was critically wounded. Sensing the extreme danger to his buddy, he entered the room and evacuated his buddy at great personal risk. Appreciating the criticality of situation, he rushed back firing at the terrorist and eliminated the terrorist before being fatally wounded.

Major Pitambare showed conspicuous bravery, daring courage and utter disregard to personal safety in carrying out the operation against the terrorists in a most professional manner.

6. IC-47050 Colonel Gurbir Singh SarnaGrenadiers/29 Rashtriya Rifles (Posthumous)

(Effective date of the award : 23 December 2006)

Colonel Gurbir Singh Sarna was the Commanding Officer of a Rashtriya Rifles. He led from the front during OP Chak Behrampur on 23rd December 2006.

Based on hard intelligence of the presence of four terrorists in a village in Pattan district, Jammu & Kashmir, Colonel Sarna quickly reached the spot alongwith his team of officers and cordoned the targeted house. While the search was on, the presence of terrorists in a hideout were first sighted by Colonel Sarna himself, who personally broke open the hideout and challenged the terrorists alongwith his buddy. The fire-fight between the officer and the terrorist started at a very close range and resulted in the killing of one terrorist and injuring of another by the officer. However, in the process Colonel Sarna himself received multiple bullet injuries. Though bleeding profusely, he shouted his men to leave him and passed instructions to continue the operation which led to the elimination of other terrorists. He was evacuated from the site but later succumbed to his injuries.

Colonel Gurbir Singh Sarna, displayed conspicuous outstanding leadership, indomitable courage and made the supreme sacrifice while fighting the terrorists.

BARUN MITRA  
Jt. Secy. (CA)

No. 93-Pres/2007.—The President is pleased to approve the award of the "Shaurya Chakra" to the undermentioned persons for the acts of gallantry:—

1. Shri Pankaj SharmaSuperintendent of Police, Assam

(Effective date of the award : 01 July 2004)

On 1st July 2004, information was received that about 100 NSCN (IM) cadres had tacitly constructed bunkers in the Reserve Forest area at Assam-Nagaland border with a view to encroach land towards Assam side. Shri Pankaj Sharma, Superintendent of Police immediately rushed to the location alongwith the available force. He took a tactical position on a hillock surrounded by small bushes. NSCN (IM) cadres had taken advance position in several bunkers by then and opened fire from all directions towards the security personnel with sophisticated weapons.

The fierce encounter continued for 5 hours and at the end of encounter, the NSCN (IM) cadres, who were holding a solid position in the bunkers, were forced to accept defeat and retreat into the forest area of Nagaland. This was due to the able leadership and command of Shri Sharma, who led the battle from the front and motivated the security forces to give a strong and tactical fight to the militants in a terrain hostile for the forces. Not a single security personnel sustained any injury during the 5 hours long fierce battle.

Shri Pankaj Sharma displayed extraordinary courage, exemplary battle craft and leadership skills in fighting the militants.

2. GS-171799N, Operator Excavating MachineryGrade-II Ram Lal

(Effective date of the award : 17 February 2005)

Operator Excavating Machinery Grade-II Ram Lal of 165 Formation Cutting Platoon Care 81 Road Construction Coy (GREF) was deployed for snow clearance of Khardungla Pass, from Km 25 to 39. During the last week of January 2005, and first week of February 2005, heavy snowfall took place in whole of Jammu & Kashmir including Ladakh region. The snowfall was continuous for almost 10 days, closing the Khardungla Pass. On clearing of the weather, the snow clearance started in full swing and OEM Ram Lal led the team with his Dozer. The team reached Khardungla top Km 39.5 on 17th February 2005.

Around 1530 hours, a massive snow-slide flashed down from the hill top and rolled down the valley entangling the dozer and few men including OEM Ram Lal. Three personnel died due to this avalanche. However, OEM Ram Lal survived. Without getting frightened, OEM Ram Lal again resumed his work the next day. He worked on that stretch until the road finally opened for the traffic.

Operator Excavating Machinery Ram Lal showed exceptional and exemplary courage, devotion to duty and determination in trying circumstances.

3. JC-449287 Subedar Samde Khan14 Grenadiers

(Effective date of the award : 04 June 2005)

On receipt of information regarding presence of terrorists in general area in Northern sector a search and destroy operation was launched in which Subedar Samde Khan was the commander of one of the teams. At 1530 hours on 4th June 2005, on seeing troops closing in, the terrorists started fleeing. Immediately, a close cordon was established to stop the escape of terrorists. Intense fire-fight ensued, during which one terrorist was shot down by an officer of the team. Seeing another terrorist fleeing, Subedar Samde Khan charged at the terrorist and eliminated him from the close quarter.

Due to setting in of night and darkness the cordon was confined to limited area and was readjusted to ensure that terrorists are not able to escape from the cordon. The operation to search terrorists re-commenced at 0700 hours on 05th June 2005. At 1600 hours, contact was again established with one remaining terrorist. The terrorist lobbed grenades at Subedar Samde Khan's party. Despite the grenades being lobbed, Subedar Samde Khan once again moved tactically to the vicinity of the terrorist and before the terrorist could change his position, Subedar Samde Khan charged at the terrorist and eliminated him on the spot.

Subedar Samde Khan displayed professional acumen, conspicuous gallantry and leadership of a very high order in fighting the terrorists.

4. 3390996 Havildar Bhag Singh16 Sikh Regiment

(Effective date of the award : 27 August 2005)

Havildar Bhag Singh was the post commander of a Post in Kupwara District in Jammu & Kashmir. At 2215 hours on 27th August 2005, while observing through Hand Held Thermal Imager, he spotted a terrorist close to a fence. Appreciating that the main group was to approach, he kept his wits and the ambush party under control.

After 15 minutes the terrorist made a passage in the fence. Three more terrorists approached the fence, while the first terrorist negotiated the fence. While two terrorists were negotiating, Havildar Bhag Singh fired from his Light Machine Gun and shot them dead and swiftly jumped and charged on to the fleeing terrorist and shot him dead at point blank range. Meanwhile a fourth terrorist hiding behind a boulder retaliated with effective fire and grenades. Seeing his buddy sustaining splinter injury and with utter disregard to own safety, Havildar Bhag Singh crawled towards the terrorist and lobbed grenades injuring him. The injured terrorist managed to escape in the darkness leaving behind his weapon.

Havildar Bhag Singh applied tactics, patience, command and control, dexterity and raw courage while fighting the terrorists.

5. 76184 Rifleman Huidrom Bijendro Singh7 Assam Rifles (Posthumous)

(Effective date of the award : 27 December 2005)

Based on specific input about some terrorists taking shelter in the flating fisherman huts in an area in the Eastern Sector, an Operation was launched on 27th December 2005. Rifleman Huidrom Bijendro Singh was part of the team.

The suspected hideout was covered with 3-4 meters of tall grass and the visibility was poor due to dense fog. As soon as the party reached the hideout, one terrorist suddenly came out and on noticing the approaching party immediately opened fire. The terrorist was soon joined by others who opened a barrage of fire on the team. The initial burst of fire by the terrorist hit Rifleman Buidrom Bijendro Singh on his thigh. In spite of being grievously injured Rifleman Huidrom Bijendro Singh while hanging from the bush in the lake fired at and killed two terrorists on the spot, before succumbing to injuries in fighting the terrorists.

Rifleman Huidrom Bijendro Singh exhibited indomitable courage, tactical acumen, presence of mind under heavy fire and made the supreme sacrifice.

6. IC-58462 Major Shineesh MukundanGrenadiers/29 Rashtriya Rifles

(Effective date of the award : 31 January 2006)

On 31st January, 2006 the source of Maj Shineesh Mukundan reported the presence of terrorists in a hideout near Pattan, district Baramulla in Jammu & Kashmir. While Major Mukundan with his buddy was carrying out confirmatory reconnaissance of the hideout, he was fired upon from approximately 25 meters. In a reflex action Major Mukundan shot dead a terrorist. The second terrorist started firing indiscriminately and lobbed grenades at him. Showing exemplary calmness under fire, he crawled forward, located and eliminated the second terrorist. The slain terrorists were identified as self-styled battalion commanders of a terrorists' outfit.

Thus Major Shineesh Mukundan displayed exemplary courage, resolve and leadership of highest order in fighting the terrorists.

7. IC-55810 Major Jung Bahadur Singh, SMArmy Service Corps/38 Rashtriya Rifles

(Effective date of the award : 04 March 2006)

In the course of operation RAKSHAK in Jammu & Kashmir, Major Jung Bahadur Singh cultivated a source and obtained information about a terrorist hideout. He continuously tracked the movement of three terrorists by day and night till he confirmed the exact location. He risked his life and personally laid charges on top of the hideout to flush out the terrorists. Anticipating the move of the terrorists, Major Singh placed himself close to the hideout and as the first terrorist attempted to rush out he

shot the terrorist from a point blank range. Later to break the stalemate the officer again took calculated risk and crawled close to the house where the terrorists had taken cover and fired from a close range killing both the remaining terrorists.

Major Jung Bahadur Singh displayed raw courage, comradeship and grit determination in fighting the terrorists.

8. GS-153964L Superintendent Buildings  
Roads (Grade-II)

Vijay Raj (Posthumous)

(Effective date of the award : 20 April 2006)

Shri Vijay Raj of 366 Road Maintenance Platoon care. 110 Road Construction Coy (GREF) was deployed in Detachment POTATOE, one of the remotest and the most militant prone parts of this RCC. Shri Vijay Raj volunteered to take on the important task of formation cutting of the Budhal-Mohr-Gul Road which is the link road between Rajouri and Udampur, having a great strategic value. Despite the earlier killings of casual labourers in the neighbouring Dets and the ever present danger of militant, Shri Vijay Raj continued lead and motivate his team to complete the task. On 20th April 2006 Shri Vijay Raj worked till late in the evening and decided to walk back to his Detachment at POTATOE when he saw four militants moving forward towards his work site. Realising the gravity of the situation, he shouted out loudly to his fellow workers to get away. As Shri Vijay Raj along with his casual labourer and a mate were far from the vehicle, they got surrounded by the militants. As the militants were lining them up, Shri Vijay Raj pushed the Mate to the valley side and saved him. This infuriated the militants and they fired at Shri Vijay Raj and the Casual Labourer killing them on the spot.

Shri Vijay Raj displayed raw courage, comradeship, selflessness while performing his duty and made the supreme sacrifice.

9. Shri Jangal Narayan Pandey  
Assam

(Effective date of the award : 24 April 2006)

On the night of 24th April 2006, at around 11:00 PM at Pulia Basti, a small village of Karbi Anglong District of Assam, a group of four extremists, suspected to member of Karbi Peoples Liberation Front (KPLF) organisation, involved in armed extortion activities in the area, came to the house of Shri Jangal Narayan Pandey. Two of them stayed outside while two of them entered the house. One of the extremists pointed an AK-47 rifle on Shri Pandey threatening to kill him and other family members is Rs. 50,000/- was not paid immediately.

In a rare act of gallantry, without caring for the threat to his life, Shri Pandey jumped upon the extremist and tried to snatch away his rifle. The extremist passed on the rifle to his friend accomplice. Showing extreme presence of mind and agility, Shri Pandey immediately pounced on the other extremist and got hold of him before he could fire from the

rifle. The extremist bit hard on the right hand of Shri Pandey, but he did not let him free.

The commotion and the shouting of Shri Pandey alerted his younger brother who ran into the room and hit the first extremist with a lathi. In the meanwhile, Shri Pandey succeeded in snatching the AK-47 rifle from the second extremist. The extremists started running away. While Shri Pandey held to the first extremist, his brother chased the others in the darkness and caught one of them. By this time, the villagers joined them and police was informed.

Shri Jangal Narayan Pandey showed rare and conspicuous courage in the face of adverse situation and managed to capture two dreaded armed extremists and one AK-47 rifle.

10. IC-60765 Major Krishnan Nishant Nair  
Bihar Regiment/32 Assam Rifles

(Effective date of the award : 25 April 2006)

On 25th April 2006, Major Krishnan Nishant Nair was deployed for counter insurgency operations in an area of Thoubal District in Manipur. At 0030 hours, while moving between two villages, Major Nishant observed a moving Maruti Van. Sensing that the vehicle, at this hour, could be used only by terrorists, Major Nishant with four men in his vehicle gave a fervent and daring chase. On seeing his vehicle, the van sped faster. Undeterred, Major Nishant continued the chase till he managed to close until he came face-to-face with the terrorists. On being challenged, the terrorists opened effective fire in their attempt to escape in the darkness. Undaunted by the fire from close range and with total disregard for personal safety, Major Nishant charged towards the terrorists and killed three out of four terrorists on the spot. The fourth terrorists was subsequently killed in the operation and two pistols, ammunition and the Maruti van were recovered.

Major Krishnan Nishant Nair displayed fearless instinct, personal courage and inspirational leadership of extremely high order while fighting the terrorists.

11. 15484670 Sowar Dhiraj Singh  
Armoured Corps/24 Rashtriya Rifles (Posthumous)

(Effective date of the award : 02 May 2006)

Sowar Dhiraj Singh was part of close cordon laid around a house in Srinagar in Jammu & Kashmir where three terrorists were hiding. At 2315 hours on 2nd May 2006, one terrorist tried to carry out suicidal attack by attempting to enter house occupied by the cordon party under heavy covering fire of other terrorist. Despite coming under effective fire, Sowar Dhiraj Singh held his position and alerted his party of the terrorists attempt. Immediately after this, another terrorist attempted to break out to assist his entry. Sowar Dhiraj Singh, sensing the imminent danger to his party, charged at the approaching terrorist, advancing in his line of fire and shot him dead. However he was injured in the process. Despite bleeding profusely and completely disregarding his own injury, he again faced the

hail of bullets fired from the second terrorist without any fear and engaged him. The terrorist was totally taken aback and before he could react Sowar Dhiraj Singh shot him dead. However, he later succumbed to his injuries.

Sowar Dhiraj Singh displayed conspicuous bravery, pre-eminent valour and made the supreme sacrifice while fighting the terrorists.

12. 2897670 Rifleman Kedar Singh  
Rajputana Rifles/43 Rashtriya Rifles (Posthumous)

(Effective date of the award : 10 May 2006)

Rifleman Kedar Singh was the leading scout during operation in an area in Rajouri district in Jammu & Kashmir, which is a snowbound and rugged terrain with steep cliffs. On 10th May 2006, he spotted a group of terrorists behind a tree and displayed exemplary courage to move up with lightening speed to block their escape route in spite of effective fire coming from the terrorists. A fierce fire-fight ensued injuring the terrorists. One of the injured terrorists jumped on Rifleman Kedar Singh with a grenade inflicting grievous injuries to him. Despite being mortally injured, Rifleman Kedar Singh with utter disregard to personal safety brought down effective fire on the terrorists and eliminated one at point blank range before succumbing to the injuries. In a later search one more body of a terrorist was recovered, killed by the fire brought down by Rifleman Kedar Singh.

Rifleman Kedar Singh showed professional competence, exemplary courage and made the supreme sacrifice in fighting the terrorists.

13. JC-519848 Naib Subedar Raj Bahadur  
Dogra Regiment/62 Rashtriya Rifles (Posthumous)

(Effective date of the award : 15 May 2006)

Based on specific intelligence regarding presence of terrorists in a house in an area in Srinagar, Jammu & Kashmir, a search and cordon operation was launched. Naib Subedar Raj Bahadur who was the member of the search party kept two terrorists engaged throughout night. In the morning he spotted one terrorists, took accurate aim under heavy fire and seriously injured the terrorist. As the terrorist fell, Naib Subedar Raj Bahadur shifted his location under hail of bullets towards second terrorist and engaged him.

Since he was now exposed and under effective fire of terrorist, he charged him a rare display of raw courage. With total disregard to his own safety and moving deftly, defying the fire of terrorist, he eliminated him at close range. As he turned around, the first injured terrorist shot him in the face. Fatally wounded Naib Subedar Raj Bahadur fell making the supreme sacrifice.

Naib Subedar Raj Bahadur displayed exceptional leadership leading from the front and showed unparalleled courage against grave odds and made the supreme sacrifice while fighting the terrorists.

14. IC-60477 Major Virinder Sidhu  
Rajput Regiment/43 Rashtriya Rifles

(Effective date of the award : 16 May 2006)

On 16th May 2006 Major Virinder Sidhu got intelligence about presence of terrorists in Ralmandu in Jammu & Kashmir. The Officer swung into action with a team of thirteen soliders to seek contact with terrorists. After five hours of arduous trek through inhospitable terrain, he established contact with the four terrorists. He closed in within 10 meters forcing the terrorists to open heavy automatic fire. Undeterred, the officer fired and killed one terrorist from a dangerously close range. Other terrorists descended into a steep nala and brought down fire by Under Barrel Grenade Launcher and small arms. Displaying raw courage and grit, Major Virinder Sidhu eliminated two more terrorists in a close quarter battle. Inspired by his gallantry the team eliminated the fourth terrorist.

Major Virinder Sidhu developed intelligence, meticulous planning, flawless execution and conspicuous gallantry in fighting the terrorists.

15. 2682895 Havildar Santosh Kumar  
14 Grenadiers

(Effective date of the award : 18 May 2006)

On 18th May 2006, a search and destroy operation was launched in a general area in Northern Sector. During the search, Havildar Santosh spotted three terrorists hiding under a rock. He tasked his buddy to pin down the three terrorists with accurate fire and unmindful of his personal safety moved from a flank exhibiting excellent field craft thereby maintaining complete surprise. On reaching the location of advantage he charged at the baffled terrorists eliminating two on the spot. The third terrorist changed position and started firing indiscriminately. His buddy under directions of Havildar Santosh Kumar changed position and on spotting the terrorist pinned him down with effective fire. Immediately, Havildar Santosh Kumar took advantage of the situation and before the terrorist could change his position, displaying conspicuous courage charged at the terrorist and eliminated him on the spot.

Havildar Santosh Kumar exhibited exemplary courage, professional acumen and solid grit in fighting the terrorists.

16. IC-63128 Major Manvendra Singh  
20 Jammu and Kashmir Rifles

(Effective date of the award : 05 June 2006)

In the night of 5/6th June 2006, Major Manvendra Singh was deployed with his Ghatak Platoon at a place in Kupwara District of Jammu & Kashmir for blocking the infiltration route. When the weather turned very bad, he noticed some suspicious movement and readjusted his ambush accordingly.

At 0130 hours, his ambush party established contact with infiltrating terrorists and was fired upon. The officer tracked the movement of terrorists and fired on the infiltrating terrorists and eliminated one of them. The other two terrorists brought heavy volume of fire from

very close quarter. With utter disregard to his personal safety, he further crawled behind a boulder and fired thereby eliminating the two terrorists.

Major Manvendra Singh displayed dauntless courage excellent field craft and professional competence of highest order beyond the call of duty infighting the terrorists.

17. IC-48760 Lieutenant Colonel Raj Kumar  
Kumaon Regiment/50 Rashtriya Rifles

(Effective date of the award : 13 June 2006)

Lieutenant Colonel Raj Kumar was leading a Quick Reaction Team during an Operation in Pulwama District, Jammu and Kashmir.

On 13th June 2006 at approximately 1030 hours, a contact was established with terrorists in the area. On having got the information Lieutenant Colonel Raj Kumar with his Quick Reaction Team rushed to the spot. While he was taking stock of the situation, his party came under intense automatic and grenade fire. Sensing danger to his troops, he maneuvered himself under heavy fire and with utter disregard to his personal safety engaged and killed one terrorist. While engaging the second terrorist he was grievously wounded. Though bleeding profusely, he kept engaging and killed the second terrorist. In fearsome exchange of fire, Lieutenant Colonel Raj Kumar received gun shot wounds and got critically injured.

Lieutenant Colonel Raj Kumar displayed conspicuous gallantry, comradeship and indomitable courage under grave danger to own life in fighting the terrorists.

18. IC-51682 Lieutenant Colonel Vinay Rao Chauhan  
1 Gorkha Rifles/15 Rashtriya Rifles (Posthumous)

(Effective date of the award : 13 June 2006)

On 13th June at 0900 hours, on specific intelligence, Lieutenant Colonel Vinay Rao Chauhan who was commanding a Rashtriya Rifles Unit launched a surgical strike in Bandipura town in Pulwama District of Jammu & Kashmir. While the cordon was being established terrorists brought down heavy volume of fire. Undeterred and leading from the front, the officer with lightening speed pushed aside his buddy and another Border Security Force officer out of terrorists' fire and with unmatched ferocity closed in, killing one foreign terrorist at point blank range. In the process the officer was severely injured and succumbed to his injuries at the operation site.

Lieutenant Colonel Vinay Rao Chauhan displayed indomitable courage, true grit, inspiring leadership and made the supreme sacrifice while fighting the terrorists.

19. IC-64493 Lt Thiyam Ibungochouba Luwang  
21 Parachute Regiment (Special Force)

(Effective date of the award : 14 June 2006)

Lieutenant Thiyam Ibungochouba Luwang was commanding an assault troop which had laid an ambush between New Waksu and Sunthang in the Eastern Sector.

At about 0845 hours on 14th June 2006 on being informed by his surveillance detachment of the movement of suspected terrorist on an adjacent track, the officer adjusted his ambush by quickly re-sitting them using available cover, excellent field craft and presence of mind. Due to the speedy action achieving total surprise, the approaching terrorists came within 5 meters of the ambush site. At great personal risk to himself the officer controlled the fire by delaying opening fire so that the terrorist came into the killing zone. The excellent fire control led to the killing of two terrorists on the spot by the officer and injuring of two more. In the ensuing firefight a total of three terrorists were killed by the officer and 3 AK-56 Rifles with 3 AK-56 magazines and 90 rounds of 7.62 mm were recovered.

Lieutenant Thiyam Ibungochouba Luwang displayed indomitable courage, conspicuous bravery, exemplary leadership and selfless dedication while fighting the terrorists.

20. IC-62070 Captain Shashi Bhushan Singh, SM  
Corps of Engineers/55 Rashtriya Rifles (Posthumous)

(Effective date of the award : 23 June 2006)

On 23rd June 2006, information was received about terrorist movement in a group of houses in a village in Pulwama District of Jammu & Kashmir. Captain Shashi Bhushan Singh was commanding Ghatak Platoon which was ordered to move to the location. As soon as his team had reached the area, they came under heavy fire. Two terrorists who were holed up inside a group of houses were trying to break the cordon. Captain Shashi Bhushan Singh, in order to ensure correct positioning of troops, moved in to the area in spite of heavy fire. In the ensuing gunfight, Captain Shashi Bhushan Singh shot dead one of the terrorists. In the process, he sustained grievous injury in his neck and hand. In spite of injuries he directed the fire of his troops to trap the second terrorists who was killed later.

Captain Shashi Bhushan Singh displayed leadership of the highest order and showed unparalleled courage against grave odds and made the supreme sacrifice in fighting the terrorists.

21. IC-60107 Captain Nayanjyoti Buragohain  
1 Naga Regiment

(Effective date of the award : 11 July 2006)

On receipt of specific information from a source cultivated by Captain Nayanjyoti regarding presence of terrorists in a general area in the Eastern sector, a search and destroy Operation was launched on 11th July 2006. Three columns of the Battalion were under Captain Nayanjyoti. While the party was moving along a river, the column came under indiscriminate terrorist fire. Captain Nayanjyoti, undeterred by the hostile situation, deployed the column tactically, while reacting swiftly with accurate marksmanship skill and shot dead the leading terrorist. Meanwhile, he deployed the other two columns tactically

to cut off all likely escape routes. While his column continued to engage the terrorists effectively, Captain Nayanjyoti, displaying sound tactical acumen and nerves of steel with total disregard to personal safety moved closed to the terrorists and shot dead another terrorist who was effectively engaging the troops.

Captain Nayanjyoti Buragohain in gallant and daring action displayed raw courage, commendable leadership, strong resolve and initiative of high order while fighting the terrorists.

22. GS-166035L Operator Excavating Machinery  
Grade-I Shivaji Singh (Posthumous)

(Effective date of the award : 14 July 2006)

Operator Excavating Machinery Grade-I Shivaji Singh of 156 Formation Cutting Platoon Care 85 Road Construction Company (GREF) was deployed on Hapoli-Sarli-Huri road for formation cutting.

On 14th July 2006, while doing the extremely difficult task of initial formation cutting in hard rock in the most vulnerable portion on Hapoli-Sarli-Huri road, suddenly a massive land slide/boulders came down from the hill top. As a result the dozer rolled down to deep valley along with the operator Shri Shivaji Singh resulting in his on the spot death. During the course of his employment, Shri Shivaji Singh exhibited extreme degree of valour and set an extraordinary example for others to emulate.

Operator Excavating Machinery Grade-I Shivaji Singh showed rare devotion to duty, selflessness and courage in the face of imminent danger to life and made the supreme sacrifice.

23. 16012059 Rifleman Suresh Singh Solanki  
Rajputana Rifles/9 Rashtriya Rifles

(Effective date of the award : 19 July 2006)

On 19th July 2006 based on specific information, joint parties of a Rashtriya Rifles, Special Operation Group, Kulgam and Pulwama, an Infantry Battalion (Territorial Army), and a Battalion of Central Reserve Police Force undertook cordon and search of a village in District Anantnag in Jammu & Kashmir.

The village was effectively cordoned off by 0300 hours. At 0500 hours terrorists tried to break the cordon by bringing down heavy volume of fire. In the ensuing firefight Rifleman Suresh Singh Solanki sustained multiple gunshot wounds and his weapon fell in a nallah. Despite being critically injured Rifleman Suresh Singh Solanki keeping his cool in an act of absolute courage and with complete disregard to his personal safety, jumped towards the terrorist, snatched his weapon and killed one terrorist in a hand to hand combat and severely injured the other terrorist who was subsequently neutralised.

Rifleman Suresh Singh Solanki displayed conspicuous gallantry beyond call of duty, solid grit, extreme presence of mind and determination while fighting terrorists.

24. 3989713 Lance Havildar Sishpal Singh  
Dogra Regiment/62 Rashtriya Rifles

(Effective date of the award : 20 July 2006)

During a search & destroy operation in an area in Pulwama District of Jammu & Kashmir, Lance Havildar Sishpal Singh physically ensured tight cordon and positioned himself barely five meters away from a target house.

On 20th July 2006, Lance Havildar Sishpal Singh noticed one terrorist sneaking from a house. He took him on frontally and eliminated him in a bold move. Taking advantage of the confusion two terrorists escaped into the foliage. Displaying extraordinary and indomitable courage with total disregard to own safety, he chased them into the foliage maintaining contact with them. Crawling under a hail of bullets he charged at them firing with his weapon and eliminated the two terrorists.

Lance Havildar Sishpal Singh displayed extraordinary and indomitable courage, professional competence and unparalleled foresight against grave odds while eliminating three terrorists.

25. Shri Ram Karan Bhamer, Madhya Pradesh

(Effective date of the award : 26th July 2006)

On 26th July 2006, Shri Ram Karan Bhamer was going to his native village in his car along with his son after drawing Rs. 1,80,000/- from a bank in Mhow.

While passing through a forest tract, he was overtaken by three robbers who were following them in a Bolero jeep and forced them to stop. The robbers attacked Shri Bhamer with long knives causing injuries on his neck and fingers and tried to snatch the bag of cash. Shri Bhamer pushed them away. He showed mental toughness and pulled out his .32 bore revolver and fired three shots towards the miscreants killing one and injuring the others. The killed robber was later identified as a dreaded gangster with a history of 19 heinous cases in Rajasthan and Gujarat. The valiant act of Shri Bhamer saved his life and property and resulted in liquidation of a dreaded criminal, which has served as an inspiration for the masses.

Shri Bhamer showed exemplary bravery in a helpless situation and fought back the dreaded robbers and successfully overpowered them.

26. 4002983 Sepoy Jatinder Singh  
Dogra Regiment/11 Rashtriya Rifles (Posthumous)

(Effective date of the award : 01 August 2006)

On 01st August 2006, based on specific intelligence regarding presence of terrorists in an area in District Kishtwar (Jammu & Kashmir), an operation was launched at 2100 hours and stops established around houses under suspicion. Sepoy Jatinder Singh was part of a team involved in the Operation.

While the team was approaching suspected houses to commence the search, suddenly, the terrorists opened fire from a house. During the encounter, two terrorists ran out of the house firing indiscriminately, Sepoy Jatinder Singh, with utter disregard to his personal safety, retaliated and charged fearlessly towards the fleeing terrorists. Sepoy Jatinder Singh got injured during the exchange of fire with terrorists. Undeterred by his grievous injury and profuse bleeding, Sepoy Jatinder Singh Relentlessly ensued the intense fire-fight in which both terrorists were eliminated.

Sepoy Jatinder Singh displayed exemplary courage, unflinching grit and conspicuous bravery in face of heavy odds and made the supreme sacrifice in the highest traditions of Indian Army.

27. 4573865 Sepoy Satnam Singh

Mahar Regiment/30 Rashtriya Rifles (Posthumous)

(Effective date of the award : 12 August 2006)

During search of a specific house in a village in Northern Sector on 12th August 2006, the troops suddenly came under effective fire of terrorists from a hideout inside the house. Realising the safety of his comrades being at stake, Sepoy Satnam Singh, with utter disregard to his personal safety, crawled through the indiscriminate fire and successfully placed demolition charges to destroy the hideout. He got fatally injured while withdrawing after placing the demolition charge. Later on he succumbed to his injuries. This gallant act, in the true traditions of the Army, resulted in elimination of three hardcore terrorists of foreign origin.

Sepoy Satnam Singh displayed indomitable determination and exceptional bravery and made the supreme sacrifice for the nation while fighting the terrorists.

28. IC-55955 Major Naveen Bindal

Army Air Defence/58 Rashtriya Rifles

(Effective date of the award : 17 August 2006)

Major Naveen Bindal was leading a quick reaction team formed on 17th August 2006 at 1245 hours to search for terrorists, likely to be hiding in a Dhok in a general area in Jammu & Kashmir. The officer led his party to target area through existing foliage and maize fields avoiding the tracks and reached near the target Dhok, maintaining total surprise. He deployed his party in two groups, one at the top and the other below the target Dhok. When the lower party was 250 meters from the target Dhok, the terrorists came out and fired two under barrel grenade launcher rounds and tried to escape towards the top. The officer disregarding the terrorist fire confronted them and displaying rare grit and exemplary courage personally killed two terrorists. He then quickly alerted and re-deployed the second party resulting in elimination of the third terrorist.

Major Naveen Bindal showed raw courage, high tactical acumen, composure and maturity in handling the entire operation.

29. JC-307557 Nb Sub Mariapragasam Anthony Cruz  
201 Engineer Regiment (Posthumous)

(Effective date of the award : 19 August 2006)

Naib Subedar Mariapragasam Anthony Cruz was detailed as Officer in-charge flood relief task force in District Pali, Rajasthan which was to assist civil administration in flood relief operations. On 19th August 2006, his task force was requisitioned to rescue five civilians who were stranded in a car in the middle of Khari river. A highly motivated and dynamic JCO, he volunteered to take on the extremely challenging and hazardous task of rescuing the civilians from the river in spite. He along with his buddy made a gallant attempt to reach out to the civilians. However due to the sudden increase in the water current, he along with buddy was swept away. Showing admirable presence of mind and grit, he immediately pushed his buddy towards the nearby bushes to safety. He, however, could not extricate himself and his body was later found 40 km downstream.

Naib Subedar Mariapragasam Anthony Cruz showed conspicuous act of gallantry of the highest order, exemplary devotion to duty, dedication and utter disregard to his personal safety in attempting to rescue the civilians.

30. IC-62781 Captain Aji Anthony

Rajputana Rifles/57 Rashtriya Rifles (Posthumous)

(Effective date of the award : 03 September 2006)

On 03rd September 2006, Captain Aji Anthony was Commanding of party which established a cordon around a house in a village in Bandipur, Jammu & Kashmir. At about 1800 hours, while searching one of the houses, Captain Aji Anthony's Party came under heavy fire and got split into two. On seeing that his other party was caught in the fire, with utter disregard to his personal safety, the officer along with his buddy rushed in towards the house to engage the terrorists. Intense exchange of fire took place between Captain Aji Anthony and the terrorists. During the ensuing close quarter fight, Captain Aji Anthony was critically injured. In spite of being grievously injured, the brave officer killed one terrorist before succumbing to his injuries.

Captain Aji Anthony displayed dedication to duty, bravery, courage and initiative of highest order in fighting the terrorists.

31. 9107816 Rifleman Zahid Abass Mir

5 Jammu and Kashmir Light Infantry (Posthumous)

(Effective date of the award : 07 October 2006)

Rifleman Zahid Abass Mir was the buddy of the Team Commander of a search party in an operation on night 07th October 2006 in Gurej Sector, Jammu & Kashmir. The team commander tasked Rifleman Zahid Abass Mir to accompany him to close on to the terrorists, while covering fire was provided by the other party. Making excellent use of available cover, they closed on to terrorists. Suddenly, two terrorists sprung and his commander got severely injured.

Meanwhile, another terrorist sprung up firing at Rifleman Zahid Abass Mir and injured him. In spite of being grievously injured, he swiftly pounced on the terrorist, absolutely unmindful of his own safety, and shot dead the terrorist after a fierce hand to hand fight, before succumbing to injuries. In the operation, a total of four terrorists were killed and a huge quantity of arms and ammunition were recovered.

Rifleman Zahid Abass Mir showed conspicuous gallantry presence of mind, swiftness, grit, determination in the face of hostile fire and made the supreme sacrifice.

BARUN MITRA  
Jt. Secy. (CA)

#### MINISTRY OF TEXTILES

##### OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAFTS)

New Delhi-110066, the 14th February 2007

No. K-12012/5/16/2006-P&R—The All India handicrafts Board was reconstituted vide resolution of even No. dated 8th September, 2006 for a tenure of two years. The Government of India has decided to induct the following candidates as new non-official Member in the All India Handicrafts Board while retaining all officials and non-official members of the existing All India Handicrafts Board constituted vide resolution dated 08th September, 2006, 23rd October, 2006, 22nd & 27th November 2006, 5th, 12th, 21st & 22nd December, 2006, 5th, 10th January, 2007 and 1st February, 2007:

1. Shri Pradeep Deswal,  
Village and Post: Dulhera,  
Tehsil Bahadurgarh,  
Distt. Jhajjar (Haryana).
2. Smt. Hinaben Hareshbhai Patel,  
1090, Swastik Society, Opp. DSP Office,  
Sector-27, Gandhinagar-382017.
3. Ms. Savitaben Amrutlal Makvana,  
Opp. Babubhai Haveli, Khokhra Gam,  
Khokhra Mehmdabad,  
Ahmedabad-380008.
4. Ms. Jayshreeben Vinubhai Shah,  
2-Rajvaibhav Apartment, Behind Sudama Resort,  
Pritamnagar—Elisbridge,  
Ahmedabad-380006.
5. Ms. Naynaben Harshadbhai Shah,  
B-5, Sanket Flat, Galaxy Road,  
Naroda-N, Highway No. 8,  
Ahmedabad-382330.

6. Ms. Naynaben Bharatbhai Dave,  
B-28, Parth Sarthi Tower,  
7th Floor, Nr. Gulab Tower,  
Thaltej—Ahmedabad.
7. Ms. Ushdaben Pravinchandra Purohit,  
5/2-Suryanarayan Society,  
Sector-25, Gandhinagar-382025.
8. Shri Happy Bhagsinh Arora,  
12, Pahelgam Bunglow, Judgies Bunglow Road,  
Bodakdev—Satellite,  
Ahmedabad.
9. Ms. Geetaben Mayankbhai Bhavsar,  
Kuva Vali Fali, Post-Asstarsumba,  
Block-Kapadvanj, Distt. Kheda,  
Gujarat.
10. Shri Brijender Sonkar,  
105/12, Juhi Lal Colony,  
Thana Kidwai Nagar,  
Kanpur (UP).

The present strength of the Board shall be 71 Members comprising of Chairman, 24 official Members including Member-Secretary and 46 non-official Members, in the reconstituted All India Handicrafts Board.

All other terms and conditions recorded in the resolution dated 08th September, 2006 will, however, remain same and unchanged.

#### ORDER

ORDERED that a copy of this resolution be communicated to all concerned and that it be published in the Gazette of India.

Dr. SANDEEP SRIVASTAVA  
Addl. Development Commissioner (Handicrafts)

#### MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

##### (DEPARTMENT OF HIGHER EDUCATION)

New Delhi, the 2nd March 2007

No. 3-1/2007-U.3—In accordance with the provisions contained in Rule-3, read with Rule 13, of the Rules of the Indian Council of Historical Research (ICHR), New Delhi, the Government of India have nominated Prof. Sabyasachi Bhattacharya, as Chairman of the Indian Council of Historical Research (ICHR), New Delhi for a period of three years from the date he assumes office of the Chairman of the Council.

SUNIL KUMAR  
Jt. Secy.